रांची, गुरुवार
28.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 175, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने की प्रधानमंत्री से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक के दौरान राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद इस महीने मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद विजय की प्रधानमंत्री के साथ यह पहली औपचारिक मुलाकात थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु जोसेफ विजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड यात्रा के दौरान अनाई मंगलम ताम्रपट्टिकाओं की बरामदगी और उन्हें भारत वापस लाने के प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। मुख्यमंत्री जोसेफ ने इस दौरान अपने राज्य से संबंधित विषयों का एक प्रतिवेदन भी प्रधानमंत्री मोदी को सौंपा। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने इसके बाद कर्तव्य भवन में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। दिल्ली प्रवास के दौरान उनके कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात तय है।

इबोला के बढ़ते खतरे के बीच युगांडा ने कांगो सीमा बंद की

नैरोबी। इबोला संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए युगांडा ने पड़ोसी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के साथ अपनी सीमा तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। सरकार ने कहा है कि संक्रमण को सीमापार फैलने से रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। युगांडा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, सीमा अगले चार सप्ताह तक बंद रहेगी। हालांकि इबोला नियंत्रण टीमों, मानवीय सहायता अभियानों, सुरक्षा गतिविधियों और खाद्य तथा मालवाहक परिवहन को छूट दी गई है। युगांडा में अब तक इबोला संक्रमण के सात मामले सामने आए हैं, जिनमें एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है। वहीं संक्रमण का मुख्य केंद्र कांगो के इटुरी प्रांत को माना जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कांगो में अब तक 900 से अधिक संदिग्ध मामले और 220 से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। दुर्लभ बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के इबोला प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित किया जा चुका है।

पंचायतों को सशक्त बनाकर अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान कहा कि ग्राम पंचायतें राज्य के समग्र विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। पंचायतों को मजबूत बनाकर ही ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति तेज की जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण विकास विभाग की सभी योजनाओं का पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लाभुकों की पहचान में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे परिवार जो अभी भी आवासविहीन हैं या जर्जर मिट्टी के घरों में रहने को मजबूर हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का लाभ दिया जाए। साथ ही सभी आवास योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समिति (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी)-(जेएसएलपीएस) को महिला स्वयं सहायता समूहों के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की अहम भूमिका है। महिलाओं को खेती तक सीमित रखने के बजाय सोलर पावर उत्पादन, स्वरोजगार और अन्य आधुनिक गतिविधियों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की मैपिंग कर उन्हें बाजार उपलब्ध कराया जाए। इस जिम्मेदारी को डीपीएम और बीपीएम स्तर के अधिकारियों को सौंपने का निर्देश दिया गया। साथ ही राज्य के बाहर प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों पर भी पलाश मार्ट जैसे बिक्री केंद्र स्थापित करने की कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया।

बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि रांची के कांके रोड में निमार्णाधीन नया पलाश मार्ट अंतिम चरण में है। इसके अलावा इस वर्ष छह नए पलाश मार्ट स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। आने वाले वर्षों में राज्य के सभी जिलों में पलाश मार्ट भवन विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पशुधन आधारित योजनाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बेहद उपयोगी बताते हुए इनका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने जुट प्रोसेसिंग और शहद उत्पादन के क्षेत्र में संभावनाओं को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में महिलाओं को जोड़कर रोजगार और आय के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 'मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना' से जुड़ी महिलाओं, दिव्यांग महिलाओं, वृद्ध महिलाओं और विधवा महिलाओं को भी स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाए। साथ ही एसएचजी की महिलाओं को नवाचार और आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देने तथा क्लस्टर स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित कर योजनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ह्यदीदी कैफेह्ल संचालित करने की दिशा में भी कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।

लिफ्ट इरिगेशन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को वाटर मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़ने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण पर प्रभावी कार्य किए बिना लिफ्ट इरिगेशन परियोजनाओं को सफल नहीं बनाया जा सकता, इसलिए जल संचय से जुड़ी योजनाओं को गति देने की जरूरत है।

बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल कार्यक्रम, बिरसा विशिष्ट जनजातीय विकास योजना, युवा कौशल योजना तथा वाटरशेड योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव मनोज कुमार, ग्रामीण विकास आयुक्त मृत्युंजय कुमार वर्णवाल तथा जेएसएलपीएस के मुख्य कार्यपालक अनन्या मित्तल सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के एसआईआर को बताया वैध व संवैधानिक

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भारत में चुनाव प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में बुधवार को एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने के चुनाव आयोग के अधिकार को वैध और संवैधानिक बताते हुए कहा कि इसका सीधा संबंध निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने से है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग ने अपनी वैधानिक शक्तियों के बाहर काम नहीं किया। निर्णय में साफ तौर पर कहा गया कि एसआईआर की प्रक्रिया को केवल इसलिए चुनाव आयोग के अधिकार से बाहर नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह सामान्य संशोधन प्रक्रिया से अलग है। पीठ ने अपने निर्णय में कहा है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का मतलब सिर्फ वोट डालने की प्रक्रिया ही नहीं है, बल्कि यह मूल रूप से ह्यमतदाता सूचियों की सत्यनिष्ठा, सटीकता और विश्वसनीयताह्ल पर निर्भर करता है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की नींव हैं। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह चार सप्ताह के भीतर संदिग्ध नागरिकता के आधार पर मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम गृह मंत्रालय (केंद्र सरकार) को भेजे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह फैसला उन याचिकाओं पर सुनाया है जिनमें पिछले साल जून में बिहार में एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग की अधिसूचना और अधिकार को चुनौती दी गई थी। इस मामले में लंबी सुनवाई और सभी पक्षों की बहस के बाद पीठ ने इस वर्ष 29 जनवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे बुधवार (27 मई) को सुनाया गया।

मतदाता सूची में संशोधन को 'कानूनी रूप से मान्य' बताते हुए उच्चतम न्यायालय ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश देकर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन नहीं किया है क्योंकि इस तरह की प्रक्रिया से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित होती है और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों में सहायता मिलती है। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि चुनाव आयोग किसी मतदाता की नागरिकता निर्धारित नहीं कर सकता है। मतदाता सूची में शामिल करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा नागरिकता का निर्धारण अंतिम नहीं है। मतदाता सूची से हटाए गए संदिग्ध मतदाताओं की पूरी तरह से जांच होनी चाहिए और यदि उनकी नागरिकता भारतीय सिद्ध होती है तो उनके मतदाता होने का अधिकार बहाल किया जा सकता है। संदिग्ध मतदाताओं की नागरिकता सुनिश्चित करने के लिए ही उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग से चार सप्ताह के भीतर उन व्यक्तियों के नाम केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजने को कहा, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। अब गृह मंत्रालय उस सूची के आधार पर नागरिकता निर्धारित करने का अभियान चलाएगा।

कैबिनेट : सरकार राज्य के सभी जिलों में खोलेगी अबुआ दवाखाना

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार राज्य के सभी 24 जिलों में अबुआ दवाखाना खोलेगी। अबुआ दवाखाना में बहु चिकित्साअ प्रणाली के तहत एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योसपैथी, यूनानी और सिद्धा विधि से इलाज किया जाएगा। यह निर्णय बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया।

कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने दी। उन्होंबने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न स्वातस्य्हं उपकेंद्रों, आयुष्मायन आरोग्यन मंदिर और स्वास्थ्य विभाग के अन्य भवनों में बहु चिकित्सा प्रणाली पर आधारित एकीकृत औषधि केंद्र अबुआ दवाखाना की स्था पना की जाएगी। इस योजना का उददेश्य ग्रामीण जनता को एलोपैथी, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा प्रणाली की जरूरी दवाईयां एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके। इस योजना के तहत राज्य सरकार समय-समय पर अद्यतन और निर्धारित झारखंड आवश्याक औषधि सूची के अंतर्गत आनेवाली एलोपैथी दवाईयां और अद्यतन राष्ट्रीय आयुष आवश्यक औषधि सूची के अंतर्गत आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा चिकित्सा पद्धति की दवाईयां सभी लाभार्थियों को निःशुल्को कराएगी।

शुरूआती चरण में राज्य के सभी 24 जिलों के 745 आयुष्मन आरोग्या मंदिर (आयुष) पर एकीकृत औषधि केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

अबुआ दवाखाना को एकीकृत औषधि केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए एक संरचनात्मक और संचालन प्रणाली तैयार की जाएगी। कैबिनेट की बैठक में कुल 39 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

भीषण गर्मी के बीच प्रधानमंत्री ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों में पड़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति के बीच नागरिकों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानियां अपनाने की अपील की है। उन्होंने लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने और जरूरतमंदों को पानी उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कई पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अत्यधिक गर्मी सभी के लिए चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने लोगों को हीट एग्जॉशन के लक्षणों जैसे चक्कर आना, मतली और अत्यधिक थकान को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को कमजोरी, सिरदर्द या अस्वस्थता महसूस हो तो उसे तुरंत ठंडी और छायादार जगह पर ले जाकर पानी और ओआरएस उपलब्ध कराना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चे, बुजुर्ग और बाहर काम करने वाले लोग अत्यधिक गर्मी में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि लक्षणों की अनदेखी करने पर स्थिति गंभीर होकर हीटस्ट्रोक का रूप ले सकती है।

मोदी ने लोगों से अपने माता-पिता, दादा-दादी और अन्य बुजुर्ग परिजनों का विशेष ध्यान रखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें नियमित रूप से फोन कर हालचाल लें और पर्याप्त पानी पीने, दोपहर की तेज धूप में बाहर न निकलने तथा पर्याप्त आराम करने की सलाह दें।

असम विधानसभा में पारित हुआ यूसीसी विधेयक, यूसीसी पास करने वाला देश का तीसरा राज्य बना

एजेंसी

गुवाहाटी। असम विधानसभा में बुधवार को लंबी और तीखी बहस के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित कर दिया गया। इसके साथ ही असम यूसीसी पास करने वाला देश का तीसरा तथा पूर्वोत्तर का पहला राज्य बन जाएगा। जिस समय यह विधेयक पास हुआ, उस समय सदन के अंदर दर्शक दीर्घा में प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष तथा सांसद दिलीप सैकिया, केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री पवित्र मार्घेरिटा समेत कई भाजपा के नेता सदन में मौजूद थे। बिल के पास होते ही पूरा विधानसभा भवन जय श्रीराम एवं भारत माता के उद्घोष से गूंज उठा। विधानसभा में मौजूद सभी लोग उत्साहित हो गए थे। विधानसभा में विधेयक को सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन मिला, जबकि विपक्षी दलों ने इसके कई प्रावधानों पर आपत्ति जताई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि यह कानून सभी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है।

विधानसभा में बहस के दौरान सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि यह कानून व्यक्तिगत धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप करेगा, लेकिन विरोध के बावजूद विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया।

'समान नागरिक संहिता (यूसीसी), असम, 2026 बिल' पर पूरे दिन चली चर्चा के बाद, स्पीकर रंजीत कुमार दास ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से इसे पास कराने के लिए पेश करने को कहा। विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष की उस मांग को खारिज कर दिया जिसमें बिल को और ज्यादा चर्चा के लिए एक सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने की बात कही गई थी। इसके विरोध में विपक्षी सदस्य सदन के वेल (बीच के हिस्से) में आ गए और बिल पास होने तक लगातार नारेबाजी करते रहे। सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा लगातार 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए जाने के बीच, स्पीकर ने बिल को ध्वनि मत से पास करने के लिए पेश किया।

कैबिनेट : सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए 25,530 करोड़ रुपये मंजूर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बेहतर और किफायती बनाने के लिए सार्थक-पीडीएस योजना को एकीकृत और 31 मार्च 2031 तक जारी रखने को मंजूरी दी है। योजना के तहत खाद्यान्न परिवहन, भंडारण, ई-पॉस स्वचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए 25,530 करोड़ रुपये के केंद्रीय व्यय को स्वीकृति दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार को हुई बैठक में उक्त आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि ह्लस्कीम फॉर असिस्टेंस इन राशन ट्रांसपोर्ट एंड हैंडलिंग-इनकम विद ऑटोमेशन इन पीडीएसह्ल यानी सार्थक-पीडीएस को एक अम्ब्रेला योजना के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इसमें खाद्यान्न परिवहन सहायता और स्मार्ट-पीडीएस योजनाओं का एकीकरण किया गया है। योजना का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक एकीकृत, नागरिक केंद्रित और तकनीक समर्थ बनाना है।

योजना के तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को राज्य के भीतर खाद्यान्न परिवहन और हैंडलिंग पर होने वाले खर्च के लिए संशोधित केंद्रीय सहायता दी जाएगी। उचित मूल्य दुकानों के डीलरों के मार्जिन और मौजूदा केंद्रीय वित्तीय सहायता को भी जारी रखा जाएगा।

सार्थक-पीडीएस योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आने वाले 81.35 करोड़ लाभार्थियों की खाद्य सुरक्षा को समर्थन देगी। योजना में आधार सीडिंग, ई-पॉस स्वचालन और कंप्यूटरीकृत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का विस्तार सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में किया जाएगा। इसके साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों के उपयोग पर भी जोर दिया गया है। योजना के अंतर्गत वास्तविक समय निगरानी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शिकायत निवारण प्रणाली विकसित करने का भी प्रस्ताव है। सरकार का कहना है कि इससे वितरण व्यवस्था अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनेगी।

झारखंड के 20 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के 20 जिलों में गुरुवार को बारिश, तेज आंधी और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इसे लेकर बुधवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। हालांकि उत्तर-पश्चिमी झारखंड के चार जिलों गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा में गुरुवार को बारिश की संभावना कम जताई गई है। इसके अलावा शेष जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने और वज्रपात की आशंका व्यक्त की गई है।

विभाग ने यह भी कहा है कि दो जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम अस्थिर बना रह सकता है। इस दौरान कई स्थानों पर गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले मैदान, पेड़ और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी है।

इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिला। पाकुड़ जिले के पाकुड़िया में सबसे अधिक 16 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा अमरपारा, महेशपुर, महगांव, बोआरिजोर, पथरगामा और मझगांव समेत कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। तापमान की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान डाल्टनगंज में 43.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान गोड्डा में 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बुधवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए और मध्यम गति से हवा चलने लगी। इससे लोगों को तेज गर्मी से कुछ राहत महसूस हुई।

बकरीद को लेकर बेड़ो पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बिभा संवाददाता

बेड़ो: बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बेड़ो पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। बुधवार शाम करीब 5 बजे डीएसपी दीपक कुमार के नेतृत्व में बेड़ो थाना परिसर से फ्लैग मार्च निकाला गया, जो कराँजी गांव समेत थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा।

फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखना, लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना तथा भाईचारे का संदेश देना था। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजनों से बकरीद पर्व को आपसी प्रेम, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की।

डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि बकरीद अमन, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक पर्व है। पर्व को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और लगातार गश्ती अभियान चलाया जा रहा है।

फ्लैग मार्च में इंस्पेक्टर उत्तम कुमार, थाना प्रभारी कफिल अहमद, सब-इंस्पेक्टर उत्तम कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

नरकोपी थाना क्षेत्र में निकाला गया फ्लैग मार्च, शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील

बेड़ो: प्रखंड अंतर्गत नरकोपी थाना क्षेत्र के नरकोपी, मंदरों एवं भैंसादोन गांव में बकरीद पर्व को लेकर बुधवार शाम 5:00 बजे फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व नरकोपी थाना प्रभारी श्री शैलेंद्र कुमार टुडू ने किया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों से शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। थाना प्रभारी ने कहा कि बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इस दौरान पुलिस जवानों के साथ स्थानीय ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई।

बकरीद को लेकर इटकी में पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

इटकी बकरीद त्योहार के मद्देनजर बुधवार की पूर्व संध्या पर इटकी थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान लगभग 30 पुलिसकर्मियों ने क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को शांति, भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने का संदेश दिया। फ्लैग मार्च इटकी थाना परिसर से शुरू होकर स्टेशन रोड, इटकी बाजार टांड़, गुलजार रोड, त्रिविंधा चौक होते हुए गुलाम टोली पहुंचा। इसके बाद मदरसा क्षेत्र से होकर पुनः बाजार टांड़ पहुंचकर मार्च का समापन किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी ने लोगों से बकरीद का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दें। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया और लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया।

बकरीद को लेकर बमार्माइंस थाना पुलिस का फ्लैग मार्च, लोगों से अमन-शांति के साथ पर्व मनाने की अपील

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : बमार्माइंस थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से थाना प्रभारी निरंजन कुमार के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया. इस दौरान पुलिस बल के साथ क्षेत्र के विभिन्न इलाकों और बस्तियों में गश्ती कर लोगों को शांति और भाईचारे का संदेश दिया गया.फ्लैग मार्च के दौरान थाना प्रभारी ने स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए कहा कि बकरीद खुशियों, आपसी प्रेम और सौहार्द का पर्व है, जिसे सभी को मिल-जुलकर और शांतिपूर्ण तरीके से मनाना चाहिए. उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और सामाजिक सद्भाव बनाए रखें.उन्होंने यह भी कहा कि पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है. किसी भी असामाजिक तत्व या असंवैधानिक गतिविधि को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें ताकि पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके.

संक्षिप्त

चौका में बिजली बिलिंग केंद्र का शुभारंभ

सरायकेला(बिभा): चौका में बिजली बिलिंग मशीन लागने से बिजली व्यवस्था को लेकर भारी उत्साह है। इससे बिजली बिल जमा करने में आसानी होगी, और लंबी कतारों व देरी की समस्या से निजात मिलेगी। बिजली बिल को लेकर अपनी समस्या एवं बिजली बिल जमा करने के लिए किसी अन्य ऑनलाइन दुकानों पर जाने का निजात मिलेगी। बिजली से संबंधित कार्य जैसे-बिजली का न्यू कनेक्शन, बिजली बिल की बकाया छोटे-छोटे किस्तों में जमा कर सकते हैं। जेवीएनएल के निर्देश कीर्ति भूषण आदित्य देव ने कहा कि एक समय था ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 10 किलोमीटर दूरी का सफर तय कर बिजली बिल जमा करने के लिए चांडिल जाना पड़ता था, इसका फायदा सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाका जैसे-गौरांगकोचा, टीकर,मिलनचोक, रंगामाटी,तमाड़ क्षेत्र को मिलेगी।

जन आंदोलन मंच के सहयोग से पश्चिमी सुल्तान नगर में सड़क मरम्मत व लाइट की व्यवस्था

इटकी(बिभा) : इटकी पश्चिमी सुल्तान नगर के ग्रामीणों को सड़क और अंधेरे की समस्या से बड़ी राहत मिली है। जन आंदोलन मंच झारखंड के केंद्रीय अध्यक्ष मोहम्मद मुर्तजा आलम ने अपने निजी खर्च से सड़क मरम्मत और मोहल्ले में लाइट लगाने का कार्य कराया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कई वर्षों से जर्जर सड़क और स्ट्रीट लाइट की समस्या के कारण लोगों को भारी परेशानी हो रही थी। बरसात में सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती थी और रात में अंधेरे के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। ग्रामीणों की मांग पर मुर्तजा आलम ने 12 गाड़ी मोरम गिरवाकर सड़क की मरम्मत कराई तथा बिजली खंभों पर पांच नई लाइटें लगवाईं। इससे स्थानीय लोगों को काफी राहत मिली है। मुर्तजा आलम ने कहा कि पश्चिमी सुल्तान नगर में स्थायी समाधान के लिए करीब एक किलोमीटर पीसीसी सड़क निर्माण की मांग जल्द ही मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से की जाएगी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को भी पत्र लिखकर समस्या के समाधान की मांग की जाएगी। मौके पर अब्बू माज टीकू,अहमद अंसारी, शाहिद अंसारी, साजिद अंसारी, नौशाद अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

इटकी पीएचसी को सीएचसी में उत्क्रमित करने की मांग को लेकर आरिफ रजा ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

इटकी(बिभा) : इटकी झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव आरिफ रजा ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मुलाकात कर इटकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पीएचसी की बदहाल स्थिति से अवगत कराया तथा इसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी में उत्क्रमित करने की मांग की आरिफ रजा ने कहा कि आदिवासी बहुल इटकी प्रखंड की बड़ी आबादी आज भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। क्षेत्र के मरीजों को गंभीर स्थिति में इलाज के लिए रांची या अन्य बड़े अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इटकी पीएचसी में संसाधनों चिकित्सकों और आवश्यक सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को मांग पत्र सौंपते हुए कहा कि इटकी पीएचसी को सीएचसी में उत्क्रमित किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। इस पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दीया.

बंद खदान बनी जानलेवा, सीसीएल कर्मी के लापता होने से इलाके में सनसनी

खलारी(बिभा): सीसीएल की अशोक परियोजना में कार्यरत रमेश उरांव के रहस्यमय ढंग से लापता होने के बाद पूरनाडीह बंद खदान संख्या-2 में लगातार दूसरे दिन भी खोज अभियान चलाया गया। पानी से भरी बंद खदान में डूबने की आशंका को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।जानकारी के मुताबिक, बेंती पंचायत के कुसुम टोला अंतर्गत पिपरा टोला निवासी रमेश उरांव रोजाना की तरह खदान में नहाने गए थे देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान खदान के समीप उनके कपड़े और चप्पल बरामद हुए।इसके बाद परिजनों एवं ग्रामीणों ने आशंका जताई कि वह खदान के गहरे पानी में डूब गए होंगे।घटना की सूचना मिलते ही सीसीएल प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचा।गोताखोरों की मदद से खदान में लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन देर शाम तक कोई सफलता हाथ नहीं लग सकी। इधर, रमेश उरांव के लापता होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मिले विधायक संजीव सरदार, हरिणा मेला को राजकीय मेला घोषित करने की रखी मांग

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका के विधायक संजीव सरदार ने झारखंड सरकार के पर्यटन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मुलाकात कर पोटका क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया। विधायक ने मुक्तेश्वर धाम हरिणा में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले प्रसिद्ध हरिणा मेले को राजकीय मेला घोषित करने की मांग रखते हुए कहा कि इस संबंध में प्रस्ताव पूर्व में ही सरकार को भेजा जा चुका है और इसे शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जानी चाहिए।

विधायक संजीव सरदार ने मंत्री को बताया कि मुक्तेश्वर धाम हरिणा में हर वर्ष आयोजित होने वाले मेले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओड़िशा से लाखों श्रद्धालु चार दिनों तक मंदिर दर्शन और मेले का आनंद लेने पहुंचते हैं। यह मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विधायक ने कहा कि राजकीय मेला घोषित होने से यहां आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्रीय पर्यटन को भी नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने की दिशा में कार्य कर रही है। मंत्री ने इस मामले में तत्काल पहल का आश्वासन दिया और अधिकारियों को तर्कल ही आवश्यक निर्देश दिए

संजीव सरदार ने मंत्री से पोटका विधानसभा अंतर्गत विभिन्न स्टेडियमों के निर्माण के लिए भी पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्र के युवाओं में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन संसाधनों और बेहतर मैदानों के अभाव में प्रतिभाओं को उचित मंच नहीं मिल पाता। क्षेत्र में स्टेडियम निर्माण होने से युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

इसके साथ ही विधायक ने पोटका क्षेत्र में प्रस्तावित राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थान के विषय में भी चर्चा की. उन्होंने कहा की तकनीकी शिक्षा के विस्तार से क्षेत्र के युवाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे और उन्हें रोजगारोन्मुख शिक्षा प्राप्त होगी। विधायक ने कहा कि सरकार की मंशा केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को शिक्षा, खेल, रोजगार और पर्यटन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मंत्री स्तर पर सकारात्मक पहल के बाद पोटका क्षेत्र को विकास की नई सौगात मिलेगी। मंत्री ने आश्वासित किया की राज्यसरकार युवाओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, खास कर खेल और पर्यटन के क्षेत्र में विकास की दिशा में कार्य हो रहे है, सभी विषयों में जल्द ही सकारात्मक निर्णय लिए जाएँगे.

नारायण प्राइवेट आईटीआई के प्रांगण में पंडित जवाहरलाल नेहरू कि पुण्यतिथि मनाई गई

बिभा संवाददाता

चाण्डिल : नारायण प्राइवेट आईटीआई में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान के मनाई गई।

कार्यक्रम की शुरूआत पंडित नेहरू जी के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर की गई।

इस अवसर पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जीवनी पर प्रकाश डाला गया।शवक्ताओं ने बताया कि उनका जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। वे स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी, दूरदर्शी नेता एवं आधुनिक भारत के निमार्ता थे। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने शिक्षा, विज्ञान, उद्योग एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्थान के प्राचार्य जयदीप पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने देश के विकास के लिए शिक्षा एवं वैज्ञानिक सोच को सबसे अधिक महत्व दिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शांतिराम महतो, देवाशीष मंडल, भगत लाल तेली, पवन महतो, संजीत कुमार महतो, गौरव महतो एवं कृष्ण पद महतो उपस्थित रहे। साथ ही संस्थान के सभी शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ईद-उल-अजहा भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं : शमीम अख्तर आजाद

बिभा संवाददाता

रांची। ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को लेकर रांची जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद ने जिलेवासियों एवं समस्त झारखंडवासियों को मुबारकबाद दी है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं अमन-शांति बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि बकरीद त्याग, बलिदान और इंसानियत का पर्व है, जो हमें प्रेम, सद्भाव, भाईचारे तथा एक-दूसरे की मदद करने की सीख देता है। यह पर्व सर्वोत्तम बलिदान और मानवता की भावना को मजबूत करता है।

शमीम अख्तर आजाद ने कहा कि सभी लोग मिल-जुलकर त्योहार मनाएं और सामाजिक सौहार्द को और मजबूत करें। झारखंड हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे की मिसाल रहा है। ऐसे में सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है कि पर्व-त्योहार सादगी, शांति और सौहार्द के वातावरण में मनाएं।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहें तथा सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप आदि पर भड़काऊ या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली तस्वीरें और पोस्ट साझा न करें। साथ ही सभी समुदायों की आस्था और धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करें।

उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा के इस पावन अवसर पर सभी लोग प्रेम, सादगी, भाईचारा और परस्पर सौहार्द कायम रखते हुए समाज में एक बेहतर मिसाल पेश करें।

एसआईआर को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बिभा संवाददाता

मांडर। प्रखंड में कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रखंड अध्यक्ष मांगा उराँव की अध्यक्षता में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सभी पंचायतों के पंचायत अध्यक्ष, कांग्रेस पार्टी के बीएलए तथा प्रखंड कमेटी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जमील मलिक ने कहा कि इससे पहले कांग्रेस पार्टी द्वारा सभी कार्यकताओं को एसआईआर को लेकर प्रशिक्षण दिया गया था। वर्तमान में झारखंड में एसआईआर मैपिंग का कार्य चल रहा है। जिन व्यक्तियों की पहले मैपिंग नहीं हो पाई है, उनकी सूची सरकारी बीएलओ द्वारा संबंधित बूथों पर चिपका दी गई है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों का नाम मैपिंग सूची में शामिल नहीं हुआ है, वहां कांग्रेस पार्टी के बीएलए सरकारी बीएलओ से मिलकर उनका मैपिंग कराने का कार्य करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बूथ पर सरकारी बीएलओ द्वारा सही तरीके से मैपिंग का कार्य किया जा रहा है। यदि किसी बूथ पर मैपिंग कार्य नहीं हो रहा है, तो इसकी सूचना प्रखंड स्तर पर दी जाए, ताकि प्रखंड पदाधिकारियों से बात कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में मुख्य रूप से आबीद अंसारी, आजाद अंसारी,तबारक खान, होसे उरांव, सुका उरांव, संजय तिग्गा, जुवेल, अमानत अंसारी,तिग्गा, अर्जून महतो, अबुजर अंसारी सहित सभी पंचायत अध्यक्ष, बीएलए एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।

पिपरवार की समस्याओं पर फूटा जनाक्रोश, जेएलकेएम ने प्रबंधन को चेताया

बिभा संवाददाता

खलारी। पिपरवार क्षेत्र में वर्षों से लंबित जनसमस्याओं और स्थानीय युवाओं की उपेक्षा को लेकर अब लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए महाप्रबंधक को एक मांग पत्र सौंपा है। संगठन ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि जल्द एजेंडा मीटिंग बुलाकर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया,तो क्षेत्र में व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।जेएलकेएम के जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार महतो के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में पिपरवार क्षेत्र की बदहाल सड़कें, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और स्थानीय लोगों की लगातार हो रही उपेक्षा को गंभीर मुद्दा बताया गया है।संगठन का कहना है कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है,लेकिन प्रबंधन सिर्फ आश्वासन देने तक सीमित है।ज्ञापन में सबसे प्रमुख मांग अशोका टेढ़ी पुल की मरम्मत को लेकर उठाई गई है।संगठन ने कहा कि पुल की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है,जिससे हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।वहीं बचरा स्टेडियम को आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडर्न स्टेडियम में बदलने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है ताकि क्षेत्र के युवाओं को खेल के बेहतर अवसर मिल सकें।

संगठन ने कॉलोनियों में सीएमसी के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए भ्रष्टाचार पर भी सवाल खड़े किए हैं। इसके साथ ही बचरा पेट्रोल पंप से चार नंबर चौक तक सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की गई है ताकि आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।रोजगार के मुद्दे पर जेएलकेएम ने प्रबंधन को सीधे घेरते हुए कहा कि पिपरवार क्षेत्र में चल रही सभी आउटसोर्सिंग कंपनियों में 70 प्रतिशत रोजगार स्थानीय लोगों को दिया जाए।संगठन ने आरोप लगाया कि स्थानीय युवाओं को नजरअंदाज कर बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है,जिससे क्षेत्र में बेरोजगारी और असंतोष बढ़ रहा है।इसके अलावा पिपरवार अंडरग्राउंड परियोजना में भी नए स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग की गई।स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली पर चिंता जताते हुए संगठन ने बचरा अस्पताल में तत्काल एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध कराने की मांग उठाई।संगठन का कहना है कि क्षेत्र में सांप काटने की घटनाएं लगातार होती रहती हैं, लेकिन अस्पताल में जरूरी दवाओं की कमी के कारण लोगों की जान जोखिम में पड़ जाती है।इसके अलावा स्कूलों, सामुदायिक भवनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नाइट गार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने,बीएसएनएल कॉलोनी के पास भारी वाहनों को नियंत्रित करने के लिए साइड बैरियर लगाने तथा गैस सप्लाई कार्यालय को नियमित रूप से खोलने की भी मांग की गई है।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि परियोजना प्रबंधन द्वारा आयोजित बैठकों में जेएलकेएम प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए ताकि स्थानीय जनता की आवाज सीधे प्रबंधन तक पहुंच सके।अंत में संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इन मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द कार्रवाई नहीं की गई,तो क्षेत्र की जनता को साथ लेकर उग्र आंदोलन किया जाएगा,जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

बकरीद को लेकर बेड़ो पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बिभा संवाददाता

बेड़ो: बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बेड़ो पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। बुधवार शाम करीब 5 बजे डीएसपी दीपक कुमार के नेतृत्व में बेड़ो थाना परिसर से फ्लैग मार्च निकाला गया, जो कराँजी गांव समेत थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा।

फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखना, लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना तथा भाईचारे का संदेश देना था। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजनों से बकरीद पर्व को आपसी प्रेम, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की।

डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि बकरीद अमन, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक पर्व है। पर्व को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है और लगातार गश्ती अभियान चलाया जा रहा है।

फ्लैग मार्च में इंस्पेक्टर उत्तम कुमार, थाना प्रभारी कफिल अहमद, सब-इंस्पेक्टर उत्तम कुमार सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

251 एम्बुलेंस घोटाले का सबूत दें बाबूलाल, नहीं तो होगी एफआईआर : इरफान अंसारी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग में कथित अनियमितताओं और घोटाले के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बिना किसी प्रमाण के विभाग की छवि खराब करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी एक सप्ताह के भीतर 251 एम्बुलेंस घोटाले के आरोपों के समर्थन में सबूत पेश नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री बुधवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कामकाज, दवा खरीद प्रक्रिया, एम्बुलेंस सेवा और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़े आरोपों पर विस्तार से सरकार का पक्ष रखा।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जनता की जिंदगी और स्वास्थ्य से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विभाग है, जहां कई बार परिस्थितियों के अनुसार त्वरित और व्यावहारिक निर्णय लेने पड़ते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग और मीडिया संस्थान तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि उनके पास 251 एम्बुलेंस से जुड़े कथित घोटाले का कोई ठोस प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करें। अन्यथा झूठे आरोप लगाकर विभाग और सरकार की छवि खराब करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए स्वास्थ्य जैसी संवेदनशील व्यवस्था को बदनाम करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दवा खरीद और वितरण प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि लैब जांच में फेल होने वाली किसी भी दवा का वितरण नहीं किया जाता और न ही उसका भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं कर सकती। मंत्री के अनुसार, एक्सपायर्ड दवाओं की लागत कुल खरीद का एक प्रतिशत से भी कम है और दवा खरीद से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया डीवीडीएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन और पारदर्शी तरीके से संचालित होती है।

108 एम्बुलेंस सेवा को लेकर उठ रहे सवालों पर भी मंत्री ने विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-23 में खरीदी गई सभी 206 एम्बुलेंस पूरी तरह संचालित हैं और राज्य के विभिन्न जिलों में लोगों को आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है।

मंत्री ने 104 हेल्पलाइन सेवा और मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट स्थापना प्रक्रिया को भी पूरी तरह पारदर्शी बताया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद राज्य सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं और स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण पर लगातार काम किया जा रहा है।

डॉ. अंसारी ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी प्रक्रिया को गलत तरीके से प्रस्तुत कर जनता में भ्रम फैलाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास वास्तविक शिकायत या प्रमाण है तो उसे संबंधित एजेंसियों के समक्ष प्रस्तुत करना चाहिए, लेकिन निराधार आरोप लगाना उचित नहीं है।

प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा सहित स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अधिकारियों ने विभाग की विभिन्न योजनाओं और प्रक्रियाओं को लेकर तकनीकी जानकारी भी साझा की।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से उत्तरी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने की शिष्टाचार मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को रांची स्थित कांके रोड के मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने मुलाकात की। यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट के रूप में हुई, जिसमें राज्य के विभिन्न प्रशासनिक और विकासात्मक विषयों पर संक्षिप्त चर्चा भी की गई।

मुलाकात के दौरान प्रमंडल क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं, प्रशासनिक कार्यों की प्रगति तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई। इसके साथ ही क्षेत्र में आधारभूत संरचना, पेयजल, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित योजनाओं की स्थिति पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आम जनता तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति बनाए रखते हुए लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

वहीं, प्रमंडलीय आयुक्त ने मुख्यमंत्री को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के विभिन्न जिलों में संचालित योजनाओं और प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

रांची पुलिस के 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत 30 से अधिक अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में अपराध नियंत्रण और फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी अभियान चलाकर 30 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही 135 से अधिक लंबित वारंटों का भी निष्पादन किया गया है।

रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व नगर पुलिस अधीक्षक पारस राणा और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक गौरव गोस्वामी ने किया। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में देर रात तक सघन छापेमारी कर फरार अपराधियों, वारंटियों और संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

एसएसपी राकेश रंजन ने बुधवार को बताया कि ऑपरेशन प्रहार अपराध नियंत्रण, संगठित अपराध पर शिकंजा कसने और लंबित वारंटों के निष्पादन के उद्देश्य से चलाया जा रहा विशेष अभियान है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ एक सुनियोजित रणनीति तैयार की है, जिसके तहत समय-समय पर अभियान को दोबारा सक्रिय कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के दूसरे चरण में पुलिस की विभिन्न टीमों ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दबिश देकर कई ऐसे अपराधियों को पकड़ा, जो लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस को लगातार चकमा दे रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में कई वारंटी और गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित अपराधी भी शामिल हैं।

अभियान में जिले के सभी पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी और बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। पुलिस टीमों ने संवेदनशील इलाकों, अपराध प्रभावित क्षेत्रों और संदिग्ध ठिकानों पर विशेष निगरानी रखते हुए कार्रवाई की।

एसएसपी ने स्पष्ट किया कि रांची पुलिस अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और भविष्य में भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा कायम करने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 17 मई को भी रांची पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया था।

संक्षिप्त खबरें

जैक ने जारी किया मदरसा परीक्षा 2026 का कार्यक्रम, 16 जून से शुरू होंगी परीक्षाएं

रांची(बिभा): झारखंड अधिविद्य परिषद् (जैक)ने मदरसा परीक्षा 2026 (वस्तानियां से मौलवी तक) का विस्तृत कार्यक्रम और दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। परिषद द्वारा जारी विज्ञप्ति संख्या 35/2026 के अनुसार राज्यभर में मदरसा परीक्षाएं 16 जून से 23 जून 2026 तक आयोजित होंगी। परीक्षा दो पालियों में ली जाएगी। प्रथम पाली सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक चलेगी। परीक्षा के पहले दिन 16 जून को प्रथम पाली में दिनियात-1 और द्वितीय पाली में दिनियात-2 की परीक्षा आयोजित होगी। इसके बाद अरबी, फारसी, उर्दू, हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं तारीखे इस्लाम समेत विभिन्न विषयों की परीक्षाएं निर्धारित तिथियों पर संपन्न कराई जाएंगी। मौलवी स्तर के छात्रों के लिए वाणिज्य, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र जैसे वैकल्पिक विषयों की परीक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। परिषद ने बताया कि सभी मदरसा प्रधान 8 जून से परिषद की आधिकारिक वेबसाइट (https://jac.jharkhand.gov.in?utm_source) से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएंगे। वहीं रोल शीट एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से 10 जून से 12 जून के बीच वितरित किए जाएंगे। मुख्य परीक्षा के बाद 24 जून से 2 जुलाई तक संबंधित मदरसों में प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके लिए प्रश्न पत्र एवं ब्लैंक मार्क्स फाइल 20 जून तक परिषद कार्यालय से प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑनलाइन गेम की लत से लापता 15 वर्षीय किशोर दिल्ली से सकुशल बरामद

रांची(बिभा) : रांची पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है.ऑनलाइन गेम की लत से लापता 15 वर्षीय किशोर को दिल्ली से सकुशल बरामद कर लिया गया है. रांची पुलिस की तकनीकी टीम ने ये कार्रवाई की है. ऑनलाइन गेम की लत ने एक बार फिर परिवार के लिए बड़ी परेशानी की सबब बन गई है. 15 वर्षीय आशविन आनंद को रांची पुलिस ने टेक्निकल टीम की मदद से दिल्ली से सकुशल बरामद किया है. बताया जा रहा है कि नाबालिग ऑनलाइन गेम स्टेक में काफी पैसा हार चुका था, जिसके कारण वह तनाव में था और इसी वजह से बिना किसी को बताए घर छोड़कर निकल गया ।जानकारी के अनुसार, 24 मई को आशविन आनंद अचानक घर से लापता हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तब परिजनों ने रांची के सदर थाना में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर थाना पुलिस ने तकनीकी जांच और लगातार छापेमारी शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को युवक के दिल्ली में होने की जानकारी मिली, जिसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस की तत्परता और तकनीकी अनुसंधान की मदद से नाबालिग को सुरक्षित वापस लाया गया। इस पूरे मामले ने एक बार फिर ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती लत और उसके दुष्परिणामों को उजागर किया है। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास करें।

प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर विजय शंकर नायक ने जताया आभार

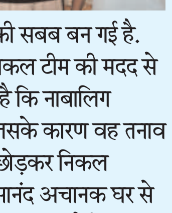

रांची (बिभा): झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के नव मनोनीत प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने प्रदेश प्रवक्ता जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने मैं विशेष रूप से सोनिया गाँधी ,मल्लिकार्जुन खड्गे , राहुल गाँधी ,के.सी.वेणुगोपाल ,झारखण्ड प्रभारी के.राजू ,प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश विशेष रूप पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कान्त सहाय सहित अन्य केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व तथा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति अपना हार्दिक धन्यवाद एवं कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। श्री नायक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सदैव सामाजिक न्याय, लोकतंत्र, संविधान, दलित आदिवासी-पिछड़ा , अल्पसंख्यक, गरीब, किसान, छात्र ,छात्रा ,मजदूर एवं युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य किया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा मुझ पर जताया गया यह विश्वास मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। श्री नायक ने यह भी कहा की मैं विश्वास दिलाता हूँ कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती तथा जनहित के मुद्दों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं संघर्षशीलता के साथ जनता के बीच रखने का कार्य करूंगा।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने में बरतें पारदर्शिता : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। रांची में कृषि, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य एवं गव्य विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा को लेकर बुधवार को समाहरणालय में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में खरीफ फसल की तैयारी, बीज-उर्वरक उपलब्धता, सिंचाई, मृदा संरक्षण और पशुधन एवं मत्स्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने उर्वरकों की कालाबाजारी और कृत्रिम संकट की आशंका को देखते हुए सतत निगरानी रखने और स्टॉक मॉनिटरिंग के लिए मजिस्ट्रेट तैनात करने का निर्देश दिया।

बैठक में बताया गया कि जिले में अप्रैल में 35.5 मिमी और मई में अब तक 77.7 मिमी वर्षापात दर्ज किया गया है। उपायुक्त ने खरीफ फसल के प्रखंडवार लक्ष्य के अनुरूप खेती सुनिश्चित करने और तेलहन एवं मोटे अनाज उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मृदा परीक्षण और सॉयल हेल्थ कार्ड वितरण में तेजी लाने, किसान कॉल सेंटर में प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने और ड्रिप इरिगेशन योजनाओं से अधिक किसानों को जोड़ने का निर्देश भी दिया गया। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, डेयरी, मत्स्य एवं तालाब निर्माण योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने लाभुक चयन में पारदर्शिता एवं विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया।

इस अवसर पर कई अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

झारखंड में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता

बिभा संवाददाता

रांची : सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ – इंडियनऑयल , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड सभी उपभोक्ताओं को आश्वस्त करना चाहती हैं कि झारखंड राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की उपलब्धता पूरी तरह से सामान्य एवं निर्बाध है, और सभी पेट्रोल पंपों एवं एलपीजी वितरक केंद्रों पर आपूर्ति सुचारु रूप से जारी है।

पूरा ईंधन आपूर्ति तंत्र – जिसमें टर्मिनल, बॉटलिंग प्लांट, डिपो, रिटेल आउटलेट एवं एलपीजी वितरक शामिल हैं – पूरी तरह से सामान्य रूप से कार्यरत है और कहीं भी कोई व्यवधान नहीं है। तेल उद्योग के व्यापक नेटवर्क की निगरानी रीयल-टाइम सप्लाई चेन सिस्टम के माध्यम से निरंतर की जा रही है।

कंपनियों के बीच घनिष्ठ समन्वय के कारण किसी भी क्षेत्र में मांग में अचानक वृद्धि को तुरंत नियंत्रित किया जा रहा है। अंतिम छोर तक निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यकतानुसार अतिरिक्त टैंक ट्रक एवं बल्क एलपीजी वाहनों की तैनाती भी की गई है।

तेल विपणन कंपनियाँ उपभोक्ताओं को पुनः आश्वस्त करती हैं कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद ईंधन की उपलब्धता को लेकर चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे अनावश्यक भंडारण या घबराहट में खरीदारी (पैनिक बायिंग) से बचें।

जन-साधारण से अपील है कि ईंधन की उपलब्धता से संबंधित जानकारी के लिए केवल तेल विपणन कंपनियों के आधिकारिक स्त्रोतों एवं संचार माध्यमों पर ही भरोसा करें।

रिम्स में हंगामा: मरीज के परिजन और डॉक्टर के बीच मारपीट

बिभा संवाददाता

रांची: रांची स्थित रिम्स में मंगलवार की शाम चतरा से इलाज कराने आए मरीज के परिजन और जूनियर डॉक्टर के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद बात इतनी बढ़ गई कि दोनों के बीच अचानक मारपीट शुरू हो गई. इस मारपीट में चिकित्सक और परिजन दोनों पक्ष घायल हो गए.

जानकारी के मुताबिक मरीज का पैर फुला हुआ था साथ में दर्द की समस्या थी. अस्पताल के ओपीडी डॉक्टर ने उपचार के दौरान मरीज को देखा और कुछ जरूरी जांच लिखने के बाद कुछ दिन बाद दोबारा आने को कहा. मरीज ने कहा कि वह काफी दूर से आया है, लिहाजा वह प्राइवेट लैब से जांच कराकर आने की बात कही. पीड़ित पक्ष का कहना है कि इतना कहते ही डॉक्टर भड़क गए और कहा कि तुम्हारे घर जाकर अच्छे से तुम्हारा इलाज करते हैं. अस्पताल के अंदर जूनियर डॉक्टर्स बड़ी संख्या में मेडिसिन ओपीडी और एक्सटेंशन वार्ड के पास पहले से मौजूद थे. वहीं, डॉक्टरों का कहना है कि युवक ने डॉक्टरों को देख लेने की बात कही थी. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस बीच एक महिला ने बीच-बचाव का प्रयास किया, जिसके चलते उसे भी चोटें लगीं. हालांकि, इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में लिखित शिकायत नहीं की गई है. बरियातू थाना के मुताबिक उन्हें भी इस बात की मौखिक जानकारी मिली है.

अस्पताल के सुपरिटेंडेंट से छात्र के एग्जाम प्रतिनिधि की बात हुई है जिसके बाद वह भी मामले की जांच कर रहे हैं. घटना पर डॉक्टर शिशिर ने कहा कि उन्हें भी मारपीट की जानकारी मिली है. घटना की पूरी जानकारी बुधवार को सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पता चलेगा. इसके बाद स्थिति को स्पष्ट करते हुए संबंधित पक्ष पर कार्रवाई की जाएगी.

बकरीद को लेकर रांची पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए बकरीद पर्व के मद्देनजर बुधवार को फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च फिरायालाल चौक से सुजाता चौक -एकरा मस्जिद-कर्बला चौक-पथलकुदवा-चर्च रोड-थड़पखना मस्जिद-लालपुर-हिंदपीढ़ी-डेली मार्केट-कोतवाली सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में निकाला गया। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर फलैग मार्च निकाला गया।

सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, एएसपी कोतवाली निखिल राय, डीएसपी केवी रमण बाइक दस्ता के साथ लोअर बाजार, हिंदपीढ़ी, डेली मार्केट, चुटिया, डोरंडा, सदर, बरियातू थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च किये

सिटी एसपी ने बताया कि फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य पर्व के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखना,आमजन में विश्वास को बनाये रखना और आकस्मिकता की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी करना है। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों, जुलूस के रूट में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति और सुरक्षा की स्थिति की सूक्ष्मतापूर्वक समीक्षा की गई। साथ ही प्रतिनियुक्त बलों को ब्रीफ किया गया। फ्लैग मार्च में अन्य पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

रैपिड एक्शन फोर्स (रैप) की एक कंपनी भी इस फ्लैग मार्च में शामिल थी। फ्लैग मार्च रांची के विभिन्न थाना क्षेत्रो में भी निकाला गया है। साथ ही फलैग मार्च के जरिये आम लोगों से अपील की गयी है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि एवं असामाजिक तत्वों की तुरंत सूचना पुलिस को दें।

राज्यपाल से मिले मुख्य डाक महाध्यक्ष, योजना एवं पहलों से कराया अवगत

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड परिमंडल के मुख्य डाक महाध्यक्ष संजीव रंजन ने 27 मई, 2026 को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से लोकभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्य डाक महाध्यक्ष ने राज्यपाल को विगत वर्ष के दौरान झारखंड डाक परिमंडल की सेवाओं एवं व्यवसाय विकास के विभिन्न क्षेत्रों में हुई वृद्धि से अवगत कराया। इस वर्ष शुरू की गई नई योजना एवं पहलों से भी अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान झारखंड डाक परिमंडल ने ग्रामीण डाक जीवन बीमा के व्यवसाय में पूरे भारतवर्ष में एक दिन में सर्वाधिक प्रीमियम कलेक्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

डाक जीवन बीमा/ग्रामीण डाक जीवन बीमा में 29.35 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। झारखंड डाक परिमंडल द्वारा दी जानेवाली सभी प्रकार की सेवाओं में 229.50 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।

इस शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्य डाक महाध्यक्ष के साथ उप मंडलीय प्रबंधक (डाक जीवन बीमा), झारखंड परिमंडल अमित कुमार भी उपस्थित थे।

बकरीद पर्व को लेकर डीसी-एसपी ने विभिन्न क्षेत्रों में किया फ्लैग मार्च

बिभा संवाददाता

बोकारो। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार शाम को उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने जिला मुख्यालय के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

इस दौरान जिला कंपोजिट कंट्रोल रूम, कैंप-2, सेक्टर वन, राम मंदिर, भर्रा बस्ती, चिरा चास, तेलगड़िया मोड़, सोलागडीह, आईटीआई मोड़, पुलिस लाइन, रितुडीह एवं सिवनडीह आदि क्षेत्रों में पुलिस बाइक पेट्रोलिंग के साथ फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च में डीएसपी, पुलिस निरीक्षक, डीपीआरओ,प्रखंड विकास पदाधिकारी चास, अंचल अधिकारी चास, एपीआरओ सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मौके पर डीसी - एसपी ने रितुडीह से सिवनडीह कर्बला मैदान होते हुए पैदल मार्च कर आमजनों से संवाद स्थापित किया तथा लोगों से आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में बकरीद पर्व मनाने की अपील की।

उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। सभी को प्रशासन का सहयोग करने का अपील किया।

नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस की श्रद्धांजलि सभा

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत के निमार्ता पंडित जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि पर आज बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला 20 सूत्री कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नेहरू जी की प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि से हुई, उसके बाद दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने कहा कि नेहरू जी ने अपने शासन काल में पंचवर्षीय योजना, आईआईटी, एआईआईएमएस, इसरो जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की नींव रखकर देश को वैज्ञानिक व औद्योगिक दृष्टि से सशक्त बनाया। उन्होंने कहा कि नेहरू का "विविधता में एकता" का संदेश आज भी हमारे मार्गदर्शन का स्रोत है। महथा ने यह भी बताया कि नेहरू जी ने लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के मूल्य भारतीय समाज में स्थापित किए और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से विश्व पटल पर भारत को नई पहचान दिलाई।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकताओं ने नेहरू के आदर्शों पर चलने तथा उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प लिया। सभा में देश की एकता और अखंडता के संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी जमील अख्तर, कैसफ राजा, अमल दास, आशा देवी, जिला उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल के साथ ही प्रेम राय, अशोक मिश्रा, असीम शर्मा, सेवा दल अध्यक्ष प्रशांत बाउरी, निजाम अंसारी, नेहा यादव, पुनम कुमारी, मस्कूर सिद्दीकी, अब्दुल खालिक, रीना एक्का, रीता कुमारी, बद्रे आलम, शोएब हसन एवं सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिंड्राजोरा : बंद खदान में डूबने से एक की मौत

बिभा संवाददाता

बोकारो । पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के पिंड्राजोरा स्थित विगत 15 वर्षो से बंद खदान में उसी गांव के एक युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस और ग्रामीणों की प्रयास से झांगड़ के सहारे चार घेंटे की मशक्कत के बाद युवक को उठाया गया। खदान से युवक को बहार निकालने के बाद युवक को अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने युवक की मौत की पुष्टि की। पुलिस शव का पंचनामा करने के पश्चात परिजनों को सुपुर्द कर दिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार पिंड्राजोरा गांव का 25 वर्षीय अंकित कुमार पिता असित कुमार प्रत्येक दिन के भांति बुधवार को सुबह स्नान आदि के बाद शिव मंदिर में पूजा कर घर लौटा। सुबह नौ बजे के समय अपनी स्कूटी लेकर खदान की और गया खदान के पास स्थित काली मंदिर में पूजा अर्चना के बाद ग्राम देवता डुंगरी स्थान का दर्शन कर खदान में पहले से ट्युब के सहारे तैर रहे बच्चों को खदान के किनारे होकर देख रहा था। दस मिनट बाद मां काली का जयकारा लगाकर खदान में

कुद गया। काफी देर तक नहीं उठने पर तैर रहे ग्रामीण युवको ने परिजनों की सुचना दी। सुचना मिलते ही परिजन सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण खदान पहुंचे। काफी प्रयास किया गया लेकिन युवक को निकाल नहीं सके। फिर चार पांच झांगड़ खदान में डालकर खोजबीन किया जाने लगा । चार घंटे मशक्कत के बाद अंतत युवक का शव निकालने में सफल हुए। इस घटना से परिजनो सहित अन्य सगे संबंधी का रो रोकर बुरा हाल है। युवक बीए फाइनल इयर का छात्र था तथा पूजा पाठ पर ज्यादा विश्वास रखता था। इसकी इस हरकत से मां बाप सहित अन्य परिजन परेशान थे। ग्रामीणों ने बताया की ये मानसिक रूप से विक्षिप्त था जिसका दवा चल रहा था।

संक्षिप्त खबरें

सेवा फाउंडेशन ट्रस्ट ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर

बोकारो(बिभा)। सेवा फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में उत्क्रमित मध्य विद्यालय आसनसोल चास परिसर में मंगलवार को निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर में संस्था की अध्यक्ष रीना साहनी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि संस्था समाज के गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए लगातार कार्य कर रही है। भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर, यक्ष्मा तथा आंखों की जांच की गई। कई मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। नेत्र जांच के दौरान जरूरतमंद मरीजों को आगे के उपचार के लिए सलाह दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्था के सचिव अशोक कुमार, फाउंडर सदस्य सुरेंद्र कुमार एवं स्थानीय लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखा गया और लोगों ने संस्था की इस पहल की सराहना की।

रेलवे कॉलोनी की नृत्य शिक्षिका बीना राय ने सोनी लिव में फिर दिखाई प्रतिभा

बोकारो(बिभा)। बोकारो रेलवे कॉलोनी निवासी बीना राय (पतिः ललित कुमार), जो भारतीय रेलवे में कार्यरत हैं, ने हाल ही में मनोरंजन जगत में अपना एक नया मुकाम हासिल किया है। बीना राय ने बताया कि वे पहले भी सोनी टीवी के लोकप्रिय कार्यक्रम डांस दीवाने सीजन 4 में अपने नृत्य कौशल के बल पर नेट वोटिंग में टॉप-12 में स्थान बना चुकी हैं। वर्तमान में वह रेलवे कॉलोनी में बच्चों को नृत्य की शिक्षा भी देती हैं। बीना ने आगे बताया कि सोनी टीवी ने उन्हें एक और प्रोग्राम तुम हो नाः घर की सुपरस्टार (सोनी लिव) में भाग लेने का अवसर दिया। इस शो के प्रतिभागियों का चयन ऑनलाइन भेजे गए वीडियो के माध्यम से किया गया था और उनके सलेक्शन की जानकारी मिलने पर उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई। यह गेम-शो माताएँ और बेटियाँ सहित घर-आधारित प्रतिभाओं पर आधारित था, जिसमें प्रतियोगियों को खरीदारी-आधारित चुनौतियों के माध्यम से गेम खेलना था। बीना ने कहा कि इतने बड़े चैनल पर आकर परफॉर्म करना और वहां मौजूद दर्शकों तथा होस्ट से प्रोत्साहन पाना उनके लिए एक गौरव का क्षण था। इस कार्यक्रम का प्रसारण 28 मई 2026 को सोनी लिव पर रात 9:00 बजे किया जाएगा। बीना ने शो के होस्ट राजीव खंडेवाला से मिलने और वहां उपस्थित सभी लोगों द्वारा समर्थित किए जाने पर कृतज्ञता व्यक्त की। स्थानीय निवासी और सगे संबंधी बीना की इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि उनके जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों को भविष्य में और भी मौके मिलें।

एमजीएम स्कूल का जुडो खिलाड़ी अमन भोपाल साईं सेंटर में चयनित

बोकारो(बिभा)। जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सब जूनियर जूडो प्रतियोगिता जोकि 18 से 20 नवंबर हैदराबाद तेलंगाना में आयोजित की गई थी एमजीएम स्कूल के आठवीं का छात्र अमन कुमार ने हरियाणा, त्रिपुरा,यूपी,बिहार को शिकस्त देते हुए शानदार खेल का प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल किया था बोकारो जूडो संघ के सचिव एवं अमन के जूडो प्रशिक्षक राजीव सिंह ने बताया कि अमन कुमार बोकारो के पहले ऐसे खिलाड़ी है जो फेडरेशन राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में पदक जीता है तथा राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल कर चुके हैं अमन के सब जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतने पर उनका ट्रायल भोपाल साईं सेंटर के द्वारा लिया गया था जिसमें बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा भोपाल साइ सेंटर में किया गया अमन कुमार के इस कामयाबी पर बोकारो एवं झारखंड के जूडो खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल बना हुआ है तथा कई खिलाड़ी उनके चयन पर जूडो खेल में अपने भविष्य को देख रहे हैं अमन के इस कामयाबी पर एमजीएम स्कूल के प्राचार्य फादर डॉक्टर जोशी वरघेसे एवं स्कूल प्रबंधन कमेटी और झारखंड जूडो संघ के अध्यक्ष श्री गोपाल त्रिपाठी एवं सचिव श्री परीक्षित तिवारी एवं बोकारो जूडो संघ के अध्यक्ष श्री विनय आनंद एवं समस्त पदाधिकारी ने खिलाड़ियों को अग्रिम शुभकामनाएं दी।

जल संकट व विस्थापितों की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जदयू ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला जनता दल यूनाइटेड के जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त अजय नाथ झा से मुलाकात कर विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में जिला उपाध्यक्ष राजा पांडेय, नव युवक कला मंच के सचिव महादेव महतो, जिला कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण सिंह एवं चंडी कुमार प्रजापति शामिल थे। इस दौरान उपायुक्त को बुके देकर सम्मानित भी किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने गोमिया प्रखंड अंतर्गत पचमो पंचायत में व्याप्त गंभीर जल समस्या के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। साथ ही बोकारो इस्पात संयंत्र क्षेत्र के कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मियों एवं विस्थापित परिवारों से जुड़ी लंबे समय से लंबित मांगों पर अविलंब कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा सेवानिवृत्त कर्मियों को आवंटित आवासों के साथ बने आउट हाउस को तोड़ने के बाद ही पुनः आवंटन करने का निर्णय लिया गया है, जो कर्मियों के लिए अत्यंत कष्टदायक एवं अन्यायपूर्ण है। प्रतिनिधिमंडल ने इस आदेश पर मानवीय आधार पर पुनर्विचार कर राहत देने की मांग की।

इसके अलावा उत्तरी क्षेत्र के 19 गांवों के विस्थापितों की सरप्लस भूमि अब तक प्रबंधन के अधीन लंबित रहने पर चिंता जताई गई। प्रतिनिधिमंडल ने विस्थापित परिवारों को उनकी भूमि वापस करने की दिशा में शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन में अपरेंटिस कर चुके विस्थापित युवाओं को जल्द रोजगार से जोड़ने, कर्मचारियों के मानसिक एवं स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए प्लांट के अंदर और बाहर कार्यरत कर्मियों का स्थानांतरण करने तथा बोकारो हवाई अड्डा का नाम झारखंड के पुरोधा बिनोद बिहारी महतो के नाम पर करने की भी मांग की गई। साथ ही हवाई अड्डा परिसर में बिनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी उठाई गई।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कर्मचारियों, विस्थापितों एवं आमजन से जुड़े रोजगार, आवास, मूलभूत सुविधाओं एवं सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों के समाधान हेतु प्रशासन और प्रबंधन स्तर पर विशेष पहल की आवश्यकता है।

आजाद नगर की महिलाओं ने उपायुक्त कार्यालय में दिया धरना

बिभा संवाददाता

बोकारो : बुधवार को आजाद नगर की दर्जनों महिलाओं ने उपायुक्त कार्यालय, बोकारो में धरना-प्रदर्शन किया। महिलाओं ने आजाद नगर की आंगनबाड़ी सेविका रजिआ सुल्ताना पर सरकारी योजनाओं के दुरुपयोग, भ्रष्ट आचरण और खराब कार्यशैली का गंभीर आरोप लगाते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

धरने पर बैठी महिलाओं ने उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में कहा कि सेविका रजिआ सुल्ताना, केन्द्र-132/323 मुस्लिम मुहल्ला रोड, आजादनगर, पोस्ट-सिवनडीह, बोकारो द्वारा विभागीय योजनाओं में पैसों का लेनदेन और फर्जी कागजात बनाकर बड़ा स्कैम चलाया जा रहा है। मैया सम्मान योजना में ग्रामीणों से 2500 रु० तक वसूले गए। पैसा देने से मना करने वालों को पेंशन कैंसिल करने की धमकी दी जाती है। बच्चों के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाकर और दूसरे बच्चों के प्रमाण

पत्रों में छेड़छाड़ कर मोटी रकम वसूली गई। यह अत्यंत संवेदनशील मामला है।

महिलाओं का कहना है कि हमने कई बार आवेदन दिया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे क्षेत्र में बड़ा जन आक्रोश है और सरकार की बदनामी हो रही है। यह योजनाओं का बंदरबांट है। उन्होंने मांग की है कि सेविका रुबिया सुल्ताना को तत्काल पद से मुक्त किया जाए। लाडली योजना सहित सभी योजनाओं की 3-स्तरीय उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। वसूले गए पैसों की वसूली कर गरीबों को लौटाया जाए। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगी।

प्रांतीय प्रबोध शिक्षा वर्ग बोकारो में जारी, 45 शिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं

बिभा संवाददाता

बोकारो : राष्ट्र सेविका समिति, झारखंड के तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय प्रबोध शिक्षा वर्ग बोकारो में 23 मई से निर्बाध रूप से चल रहा है। झारखंड के विभिन्न जिलों से आए कुल 45 शिक्षार्थी इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन नियमित दिनचर्या के साथ हो रहा है और इसमें शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है।

वर्ग की दैनिक कार्यक्रम-सूची में चिंतन, योग, शारीरिक व्यायाम, दंड-न्युद्ध (यष्टि), योगाभ्यास, गीत-घोष, विचार-विमर्श तथा संवाद शामिल हैं। प्रशिक्षक एवं सहभागी बताते हैं कि इन गतिविधियों से शारीरिक सशक्तिकरण के साथ-साथ

संगठनात्मक और बौद्धिक क्षमता में भी सुधार देखा जा रहा है।

आज के (27 मई 2026) बौद्धिक सत्र का विषय "राष्ट्र सेविका समिति का ध्येय, मंत्र और प्रार्थना" था। वक्ताओं ने संगठन के ध्येय—जनसेवा और समाज सुधार—को रेखांकित करते हुए कहा कि नित्य की प्रार्थना अपने आराध्य के समक्ष अर्पित कर सिद्धि प्राप्त की जाती है। कार्यक्रम के सुचारू संचालन में संगठन की वरिष्ठ नेतृत्व टीम का योगदान उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम में अखिल भारतीय सहकार्यवाहिका सुनीता हल्दकर, अखिल भारतीय सहसंपर्क प्रमुख पखिला बोरो, प्रांत कार्यवाहिका शारदा गुप्ता, प्रांत संपर्क प्रमुख निर्मला सिंह, इंदु झा, जामवंती मिश्रा, उत्तर असम प्रांत प्रचारिका पद्मा देवी, वर्ग कार्यवाहिका अनीता, विभाग कार्यवाहिका अनुराधा, सर्वव्यवस्था प्रमुख अर्चना तथा समर्पित सेविका अर्चना सिंह सहित अन्य बहनों ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्रशिक्षणार्थियों ने कहा कि यह वर्ग उन्हें संगठन के उद्देश्य, अनुशासन और सामुदायिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है। आयोजन समापन और आगे की तिथियों की जानकारी आयोजकों द्वारा शीघ्र जारी की जाएगी।

बोकारो जनरल अस्पताल में नई जीवनरक्षक सुविधा: बच्चों और वयस्कों के गले में फंसी चीजें अब 'रिजिड ब्रोंकोस्कोप' से सुरक्षित निकाली जा सकेंगी

बिभा संवाददाता

बोकारो। आपातकालीन चिकित्सा के क्षेत्र में बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के कान, नाक एवं गला (ईएनटी) विभाग में अब 'रिजिड ब्रोंकोस्कोप' नाम का एक विशेष आधुनिक उपकरण आ चुका है. यह मशीन उन आपातकालीन स्थितियों में वरदान साबित होगी, जब किसी मरीज के गले या सांस की नली में कोई बाहरी वस्तु (फॉरेन बॉडी) फंस जाती है और दम घुटने की नौबत आ जाती है.

बोकारो जनरल अस्पताल में इस अत्याधुनिक उपकरण का इस्तेमाल कान, नाक एवं गला विभाग में जरूरत के मुताबिक शुरू भी कर दिया गया है.

आमतौर पर 5 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों में यह समस्या सबसे

ज्यादा देखी जाती है. बच्चे अक्सर खेल-खेल में सिक्के, छोटे खिलौने, बीज या अन्य हानिकारक चीजें मुंह में डाल लेते हैं, जो सीधे उनकी सांस की नली में जाकर फंस जाती हैं. डॉक्टरों के मुताबिक, यह स्थिति बेहद संवेदनशील होती है क्योंकि इससे हवा का रास्ता (एयर पैसेज) ब्लॉक हो जाता है. केवल बच्चे ही नहीं, कई बार वयस्क भी अनजाने में इस तरह के हादसे का शिकार हो जाते हैं.

अब ऐसी किसी भी आपात स्थिति में मरीज को बिना समय गंवाए तुरंत बोकारो जनरल अस्पताल लाया जा सकता है. इस आपातकालीन स्थिति में मरीज को पूरी बेहोशी (ऱ्र्ल्ली१' अल्ली२ईंॅ२) दी जाती है. इसके बाद डॉक्टर 'रिजिड ब्रोंकोस्कोप' के जरिए दूरबीन विधि का उपयोग कर-के सांस की नली में फंसी वस्तु को बिना किसी बड़े चीरे के, बेहद सुरक्षित तरीके से बाहर निकाल लेते हैं. बीजीएच में इस सुविधा के शुरू होने से अब स्थानीय निवासियों को ऐसे मामलों में उचित चिकित्सीय मदद मिल सकेगी. अभिभावकों से भी अपील है कि वे छोटे बच्चों पर नजर रखें और ऐसी आपात स्थिति होने पर घबराने के बजाय तुरंत उन्हें अस्पताल के ईएनटी विभाग में लेकर आएं.

बीएलओ-सेविकाओं ने जिला प्रशासन से मांगा कामों का स्पष्ट विभाजन, समय पर बढ़ा मानदेय व भुगतान

बिभा संवाददाता

बोकारो – बोकारो कैंप-2 स्थित उपायुक्त कार्यालय के बगल में बुधवार को ब्लॉक लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एवं सेविकाओं ने राज्य सरकार व जिला प्रशासन से सरकारी योजनाओं का सूचीबद्ध विभाजन तथा बकाया मानदेय का तत्काल भुगतान करने की मांग करते हुए धरना-प्रदर्शन जैसा विरोध प्रकट किया।

सेक्टर-6 की बीएलओ मंजू कुमारी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वर्तमान में एक साथ अनेक जिम्मेदारियाँ देने से कार्यभार बहुत बढ़ गया है और कार्य करने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सेविकाएँ सुबह आंगनबाड़ी केंद्र भी संभालती हैं, जहाँ दोपहर तक बच्चों की देखभाल और पढ़ाई के दायित्व रहते हैं। कई निजी स्कूलों में गर्मी की छुट्टी देने के बावजूद आंगनबाड़ी केन्द्र खुला रहता है, जिससे बच्चों को गार्जियन से समझा-

बूझाकर केंद्र बुलाना पड़ता है और गर्मी में कई बच्चे उपस्थित नहीं हो पाते हैं। इससे सेविकाओं पर अतिरिक्त प्रभार पड़ता है।

मंजू ने यह भी बताया कि जनगणना और अन्य सर्वेक्षणों की ड्यूटी भी अक्सर सौंप दी जाती है जबकि इन कार्यों में अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूदगी और "ऋ्रद्धर कैमरा से लोकेशन भेजने की रिपोर्टिंग जैसी तकनीकी मांगें शामिल होती हैं। यदि समय पर लोकेशन नहीं भेजी जाती है तो अधिकारियों द्वारा स्पष्टीकरण मांगा जाता है, जिससे सेविकाओं पर मानसिक दबाव और बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, "हम लोग सुबह 6:00 बजे से लेकर रात 10:00 बजे तक काम करते हैं। कार्य में देरी या अनुपस्थिति पाए जाने पर अधिकारी तुरंत स्पष्टीकरण मांग लेते हैं।"

बीएलओ एवं सेविकाओं ने मांग रखी है कि विभागीय आदेशों एवं योजनाओं को सूचीबद्ध कर प्रत्येक कर्मचारी को स्पष्ट जिम्मेदारियाँ सौंपी जाएँ ताकि काम प्रभावी व व्यवस्थित ढंग से हो सके। साथ ही उन्होंने मानदेय बढ़ाने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की भी गुहार लगाई। उनका कहना था कि जो मानदेय मिलता है वह अक्सर समय पर नहीं मिलता और बढ़ोतरी की आवश्यकता है ताकि उनके परिवारों का पालन-पोषण सुचारू रूप से हो सके।

समूह ने यह भी उल्लेख किया कि कुछ कार्यों के वीडियो गलत तरीके से वायरल किए जाने के कारण मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है और कई सेविकाएँ तनाव में हैं। मौके पर नाजिमा खातून, मंजू कुमारी, पार्वती कुजूर, गीता कुमारी, सीमा कुमारी, पूनम देवी, रीना देवी, कमला देवी, अंजू बोदरा, रेशमी सोरेन, संगीता कुमारी तथा आश्रिता कुमारी मिंघ उपस्थित रहीं।

बीएलओ एवं सेविकाओं ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से अनुरोध किया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र निवारण किया जाए, कामों का स्पष्ट व सूचीबद्ध वितरण किया जाए तथा बकाया व भविष्य के मानदेय का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उनका कहना था कि उचित व्यवस्था और सम्मानजनक काम-प्रणाली मिलने पर वे जनहित के कार्य और बेहतर तरीके से कर सकेंगी।

मिथिला कला मंच द्वारा गूगल मीट पर ऋतुरंग बारहमासा पर कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो : अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद की इकाई मिथिला कला मंच द्वारा गूगल मीट पर ऋतुरंग बारहमासा के संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से जुड़े कलाकारों व साहित्यकारों अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से ऋतुरंग बारहमासा की अद्भुत छटा बिखेरकर सभी को आनंदित किया। आसनसोल की पूनम झा के संचालन व जमशेदपुर से जुड़े प्रसिद्ध साहित्यकार व शिक्षाविद् डॉ अशोक अविचल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ भगवती वंदना से हुआ। पूनम झा ने इस भगवती वंदना के बाद राग कामोद में घिरि-घिरि आयल आयल घनकारी.. की सुमधुर प्रस्तुति दी। तत्पश्चात बनारस से जुड़े अशोक मिश्रा ने वर्तमान में प्रचंड गर्मी की तपिश को यूं बयां किया-भऽ रहल अछि आगिक वर्षा, सूर्यक चेन बड़ जोर यौ.., देवघर की मीनाक्षी झा ने बारहमासा गीत की कर्णप्रिय प्रस्तुति दी। सोनीपत से विनीता ठाकुर ने हम छी नारी, हमर चिनबार.., दिल्ली से मिनाक्षी झा ने सब बिसरि कोना गेलौ सजना.., दिल्ली से ही प्रतिभा झा ने विरह गीत पिया बिनु जियरा नयन बहय छै.., भैरहवा नेपाल से सोनू ठाकुर ने मैथिली गीत किऐ दुइये दिनक छुट्टी लऽ कऽ गाम ऐलियै..., जमशेदपुर से नूतन जी ने बसंत गीत चैते पियार संग रंग, आइ विभोर भेलै.., कोलकाता से हिमाद्री मिश्रा ने पावस तू ज्ञानी देश, एत बरसे नैना मोरे.., मिथिला कला मंच के मीडिया प्रभारी बोकारो के अरुण पाठक ने वर्षा ऋतु पर सुंदर गीत वर्षा के बुन-बुन जहर माहुर सन सखी की कहब दुख साओन मास.., नीलम झा ने जीवन आनंद सँ खिल-खिल जाय...., जमशेदपुर से राधा कुमारी ने अहीं बेटी दुलरूआ, अहीं आँखिक पुतली.., दरभंगा से डॉ रतन कुमारी ने सखि हे, पिया नहि घर अयला, बरसन लागे ना... सुनाकर सबकी प्रशंसा पायी। रांची से डॉ धनाकर ठाकुर, जमशेदपुर से डॉ रविन्द्र कुमार चौधरी, धनबाद से आशा मिश्रा, निशा झा, बोकारो से शंभु झा भी कार्यक्रम से जुड़े रहे।

कल्याण विभाग की योजनाओं एवं छात्रावासों की स्थिति की उपायुक्त ने की समीक्षा

छात्रावासों में रहने वाले छात्र-छात्राओं, विशेषकर बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में कल्याण विभाग द्वारा संचालित बालक एवं बालिका छात्रावासों की संख्या, उनकी वर्तमान स्थिति तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में संचालित छात्रावासों का नियमित भ्रमण कर उनकी अद्यतन स्थिति का प्रतिवेदन समर्पित करें। उन्होंने कहा कि छात्रावासों में रहने वाले छात्र-छात्राओं, विशेषकर बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए छात्रावासों में प्रकाश व्यवस्था, बाउंड्रीवाल, शौचालय, स्वच्छता एवं रखरखाव आदि का गहन निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त ने जिले के सभी असंचालित छात्रावासों को शीघ्र क्रियाशील करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अपने क्षेत्र के असंचालित छात्रावासों को पुनः संचालित कराने में सफल होंगे, उन्हें आगामी 15 अगस्त के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों की कमी की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

समीक्षा बैठक में साइकिल वितरण योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों का भ्रमण करें तथा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना से संबंधित आवेदन प्रपत्र जरूरतमंद एवं गरीब नागरिकों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि अधिकाधिक लाभुक योजना से लाभान्वित हो सकें।

इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने जिले के पीवीटीजी बहुल क्षेत्रों में आधार कार्ड निर्माण हेतु विशेष आधार शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले पात्र व्यक्तियों को आधार पंजीकरण की सुविधा सुलभ हो सके।

बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती रिया सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य पांडेय,जिला कल्याण पदाधिकारी श्रीमती मां देव प्रिया मौजूद थी।

आज सुबह 08 बजे से रात्रि 09 बजे तक शहरी क्षेत्र में भारी मालवाहकों का प्रवेश वर्जित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय के निर्देश पर शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु भारी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिदिन सुबह 08:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक शहरी क्षेत्र में भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। यह व्यवस्था पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए लागू की गई है।

निर्धारित आदेश के तहत निम्नलिखित स्थानों पर प्रतिदिन सुबह 08:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक प्रवेश वर्जित रहेगा–

1. भारत माता चौक (बाईपास मोड़) के पास
2. रसुलीगंज चौक के पास (बड़कागांव की ओर)
3. रेलवे ओवर ब्रिज, लेपो रोड के पास मोड़ पर
4. छड़वा गदोखर मोड़ के पास
5. सिंघानी मोड़ के पास
6. चानो रोड ओवर ब्रिज के पास
7. नगवां टोल प्लाजा / बाइपास मोड़ के पास
8. ग्राम बेंदी (कटकमदाग थाना)

अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि आदेश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि शहर में यातायात दबाव कम हो तथा आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

उपायुक्त का नगर निगम क्षेत्र में मैराथन दौरा, विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त हेमन्त सती ने बुधवार को नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न भवनों एवं सार्वजनिक स्थलों का व्यापक भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उप विकास आयुक्त रिया सिंह भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने नगर भवन, खीरगांव स्थित कम्युनिटी हॉल, नए एवं पुराने बस स्टैंड, पिछड़ी जाति बालिका उच्च विद्यालय,मटवारी तथा गांधी मैदान का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण की शुरूआत स्थानीय नगर भवन से हुई, जहां उपायुक्त ने भवन के सुदृढ़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण को लेकर विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के प्रवेश एवं निकासी द्वार, चहारदीवारी, शौचालय, हॉल की आंतरिक साज-सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, बेहतर साउंड सिस्टम, सोलर आधारित बिजली व्यवस्था, वातानुकूलन एवं फायर सेफ्टी जैसी व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने हेतु जिला परिषद को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त नगर भवन की छत पर भी पहुंचे, जहां उन्होंने छत पर जलजमाव एवं पानी रिसाव की समस्या देखी। मौके पर उपस्थित जिला परिषद अभियंता को उन्होंने शीघ्र स्थायी समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन की कई महत्वपूर्ण बैठकें नगर भवन में आयोजित होती हैं, इसलिए इसका सुव्यवस्थित एवं बेहतर रखरखाव आवश्यक है।

इसके पश्चात उपायुक्त ने खीरगांव स्थित नगर निगम द्वारा निर्मित कम्युनिटी हॉल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि भवन वर्तमान में किसी उपयोग में नहीं है तथा अनधिकृत रूप से कब्जे में रखा गया है। उपायुक्त ने इस संबंध में जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने भवन का उपयोग रैन बसेरा अथवा शेल्टर होम के रूप में किए जाने की संभावना पर कार्य करने को कहा। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नगर निगम के अन्य अनुपयोगी भवनों की भी नियमित समीक्षा कर उनका जनहित में उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त ने इसके बाद नए एवं पुराने बस स्टैंड का निरीक्षण किया। उन्होंने बस स्टैंड परिसर की साफ-सफाई, बसों की व्यवस्थित पार्किंग, दुकानों एवं होटलों के बाहर कचरा न फैलाने तथा प्रत्येक दुकान के बाहर कूड़ादान रखने का निर्देश दिया। गर्मी को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु प्याऊ की व्यवस्था, शौचालयों की नियमित सफाई एवं यात्रियों के बैठने के लिए शेड निर्माण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड बंदोबस्ती से प्राप्त राशि का उपयोग बस स्टैंड की सुविधाओं के विकास एवं रखरखाव में किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

श्री मारवाड़ी सत्यनारायण मंदिर एवं धर्मशाला संस्था का चुनाव आगामी 16 जून को

रामगढ़(बिभा): श्री मारवाड़ी सत्यनारायण मंदिर एवं धर्मशाला संस्था के सत्र 26-28 के ग्यारह सदस्य कार्यकारणी के लिए चुनाव आगामी 16 जून को होना है। चुनाव के लिए नामांकन कि अंतिम तिथि 26 मई रात्रि 09:30 बजे तक 19 नामांकन दर्ज किया गया। चुनाव समिति के मुख्य चुनाव पदाधिकारी गोविंद मेवाड़ ने बताया कि सत्र 2026 -28 की 11 सदस्यी कार्यकारिणी समिति के चुनाव हेतु कुल 19 उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र प्राप्त कर उन्हें जमा कर दिया है। नामांकन पत्रों की जांच चुनाव समिति द्वारा 27 मई को की जाएगी। नाम वापसी के लिए 28 मई की तिथि निर्धारित की गई है। चुनाव समिति द्वारा 30 मई को अंतिम उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। धर्मशाला कार्यालय में नामांकन प्रपत्र जमा करने वाले उम्मीदवारों में विनोद कुमार पंकज, उपकार कुमार अग्रवाल, गोकुल शर्मा, नंदलाल अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल, विश्वनाथ अग्रवाल, प्रकाश पटवारी, महावीर प्रसाद खंडेलवाल, संदीप कुमार अग्रवाल उर्फ बबलू, दीपक कुमार अग्रवाल, विकास साह, रोहित कुमार पंसारी, सुनील गोयल, जगदिश प्रसाद गोयल, नरेश कुमार अग्रवाल, मनोज मित्तल, अरविंद गोयल, बिमल बुधिया तथा मुरारीलाल अग्रवाल शामिल हैं। मुख्य चुनाव पदाधिकारी गोविंद मेवाड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 16 जून को धर्मशाला परिसर में प्रातः 10 बजे से मतदान प्रक्रिया प्रारंभ होगी। चुनाव समिति के सदस्य श्याम सुंदर परशुरामपुरिया, रमेश बौंदिया, किशोर जाजू तथा उमेश राजगड़िया चुनाव की तैयारियों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। चुनाव समिति ने कहा कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है, ताकि समाज और संस्था का निरंतर विकास हो सके तथा भविष्य में और बेहतर कार्य किए जा सकें।

3 जून को आईटीआई परिसर, सिंदूर में लगेगा दत्तोपंत ठेंगरी रोजगार मेला सह कौशल विकास मेला

हजारीबाग(बिभा): अवर प्रादेशिक नियोजनालय, हजारीबाग द्वारा आगामी 3 जून 2026 को आई.टी.आई परिसर, सिंदूर, हजारीबाग में दत्तोपंत ठेंगरी रोजगार मेला सह कौशल विकास मेला का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सुबह 10:00 बजे पूर्वाह्न से 4:00 बजे अपराह्न तक आयोजित होगा। इस एकदिवसीय रोजगार मेला सह कौशल विकास मेले में विभिन्न निजी कंपनियों द्वारा अलग-अलग रिक्त पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। मेले के माध्यम से कुल 6400 पदों पर भर्ती की जाएगी। हजारीबाग जिले के सभी इच्छुक युवक एवं युवतियां इस मेले में भाग लेकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। जिला प्रशासन ने जिले के युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस रोजगार मेला में शामिल होकर रोजगार एवं कौशल विकास के इस अवसर का लाभ उठाएं।

कस्तुरबा गांधी एवं झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय में नामांकन को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

लातेहार(बिभा): समाहरणालय सभागार में कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय में नामांकन प्रक्रिया को लेकर जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक के दौरान विद्यालयों में नामांकन हेतु निर्धारित मापदंड, सीटों की उपलब्धता, चयन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की समीक्षा की गई। साथ ही सभी प्रखंडों में योग्य एवं वंचित बालिकाओं की पहचान कर उन्हें विद्यालयों में नामांकन दिलाने हेतु विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। बैठक में कहा गया कि कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय का उद्देश्य दूरस्थ एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाना आवश्यक है। साथ ही विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था एवं शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाए रखने पर भी बल दिया गया।बैठक में नामांकन प्रक्रिया के सफल संचालन हेतु आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया।बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज,जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम,सांसद प्रतिनिधि विकास तिवारी, मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर प्रसाद यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू,अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

हजारीबाग में दर्दनाक हादसा: जहरीली गैस से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

महुआ शराब निर्माण के दौरान हुआ हादसा, कटकमदाग थाना क्षेत्र के कूद बस्ती में देर रात मची चीख-पुकार

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिले के कटकमदाग थाना क्षेत्र स्थित कूद बस्ती में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। अवैध महुआ शराब निर्माण के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि परिवार का एक सदस्य जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। घटना के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है।

मृतकों की पहचान बड़की देवी (50 वर्ष), उनके देवर महेंद्र साव (45 वर्ष) तथा बड़की देवी के 25 वर्षीय पुत्र रवि कुमार के रूप में हुई है। वहीं बड़की देवी के पति आनंद साव (55 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज हजारीबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है।

महुआ सड़ाने के लिए बनाया गया था नया सेप्टी टैंक

स्थानीय लोगों के अनुसार पीड़ित परिवार लंबे समय से महुआ शराब निर्माण के कारोबार से जुड़ा हुआ था। बताया जा रहा है कि शराब निर्माण के लिए परिवार ने हाल ही में एक नया सेप्टी टैंक तैयार कराया था, जिसमें महुआ को सड़ाने के लिए रखा गया था। बीती रात टैंक से सड़ा हुआ महुआ निकालने के लिए सबसे पहले बड़की देवी नीचे उतरीं। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकलीं तो परिवार के अन्य सदस्यों को चिंता हुई।

एक-दूसरे को बचाने उतरे, लेकिन सभी गैस की चपेट में आए

बड़की देवी के बाहर नहीं आने पर उनके देवर महेंद्र साव टैंक के भीतर गए। लेकिन वह भी बाहर नहीं निकले। इसके बाद बड़की देवी का पुत्र रवि कुमार अपनी मां और चाचा को देखने नीचे उतरा, लेकिन वह भी जहरीली गैस की चपेट में आ गया।

जब तीनों बाहर नहीं निकले तो अंततः आनंद साव टैंक में उतरे। वहां पहुंचते ही वह भी बेहोश हो गए। काफी देर तक किसी के बाहर नहीं आने पर घर और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने किसी तरह चारों को टैंक से बाहर निकाला। तब तक बड़की देवी, महेंद्र साव और रवि कुमार की मौत हो चुकी थी। गंभीर हालत में आनंद साव को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही कटकमदाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अवैध शराब निर्माण का यह कारोबार कितने समय से चल रहा था और इसमें अन्य लोग भी जुड़े थे या नहीं।

पूरे इलाके में पसरा मातम

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से कूद बस्ती में शोक की लहर है। देर रात से ही मृतकों के घर पर लोगों की भीड़ जुटी रही। ग्रामीणों का कहना है कि परिवार आर्थिक तंगी के कारण महुआ शराब के कारोबार में लगा हुआ था, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि यह काम पूरे परिवार पर इतना भारी पड़ जाएगा। घटना के बाद इलाके में अवैध शराब निर्माण और सुरक्षा मानकों को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए हैं।

बकरीद को लेकर हजारीबाग में पुलिस का फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर हजारीबाग पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शहर एवं आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व वरीय पुलिस पदाधिकारियों ने किया, जिसमें जिला पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी के जवान शामिल रहे। फ्लैग मार्च शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं संवेदनशील इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित कर शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना एवं असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग भी लगातार की जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि अथवा अफवाह की सूचना तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें।

बकरीद पर्व को लेकर जिले में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा गश्ती अभियान लगातार जारी रहेगा। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस प्रशासन ने जहां आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत किया, वहीं असामाजिक तत्वों को यह स्पष्ट संदेश दिया कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र मतदाता का नाम सूची में होना जरूरी : मुन्ना सिंह

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने बुधवार को हजारीबाग जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल के साथ कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत रोमी पंचायत में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत 6 मतदान केंद्रों का भ्रमण कर बूथों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुन्ना सिंह ने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ विस्तारपूर्वक संवाद कर मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों की जानकारी लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी जीवित एवं पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटना चाहिए। यदि किसी योग्य मतदाता का नाम किसी कारणवश सूची में दर्ज नहीं हो पाया है, तो उसका नाम अविलंब जोड़ने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए, ताकि लोकतंत्र में हर नागरिक की भागीदारी बनी रहे। मुन्ना ने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता की भागीदारी में निहित है और मतदाता सूची उसकी सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की साझा जिम्मेदारी है। कांग्रेस पार्टी हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान की मयार्दा और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने आगे कहा कि बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता, पारदर्शिता और जवाबदेही ही मजबूत लोकतंत्र का परिचायक है। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने भी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी अधिकारियों, बीएलओ एवं कार्यकताओं से गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील किया।

जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार में पुलिस का औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हजारीबाग पुलिस लगातार सतर्क नजर आ रही है। इसी कड़ी में मंगलवार की रात जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार में पुलिस प्रशासन की ओर से औचक निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) के नेतृत्व में की गई। निरीक्षण के दौरान जिले के दंडाधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिस टीम ने कारागार के विभिन्न वार्डों का गहन निरीक्षण किया। विशेष रूप से संदिग्ध माने जाने वाले वार्डों की बारीकी से तलाशी ली गई। अभियान के दौरान जेल परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई ताकि किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री, अवैध गतिविधि या सुरक्षा में चूक की संभावना को खत्म किया जा सके।

निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने जेल प्रशासन, सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों एवं कर्मियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने जेल के अंदर एवं बाहरी सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाए रखने पर बल दिया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात जवानों को हर गतिविधि पर सतर्क नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने का निर्देश दिया गया।

अधिकारियों ने जेल मैनुअल का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सुरक्षा प्रोटोकॉल में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने की चेतावनी दी गई। प्रशासन की इस अचानक कार्रवाई से जेल परिसर में कुछ देर के लिए हड़कंप की स्थिति बनी रही।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कारागार की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के उद्देश्य से आगे भी इस तरह के औचक निरीक्षण और छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेंगे।

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

योगेश कुमार गोयल

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे।

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत...

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दशार्ता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

निर्मल रानी

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत जहरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भाजपा शासित राजस्थान में घटी इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

गौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अखलाक और पहलू खान जैसे अनेक लोगों की हत्या की खबरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फर्जी हैं, जो रात में गैर-कानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोजियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फतवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफरत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी जरूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान काबिल - ए -गौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन कानूनन और सामाजिक भावनाओं के खिलाफ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनजर यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'निरस्त्र' करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे।

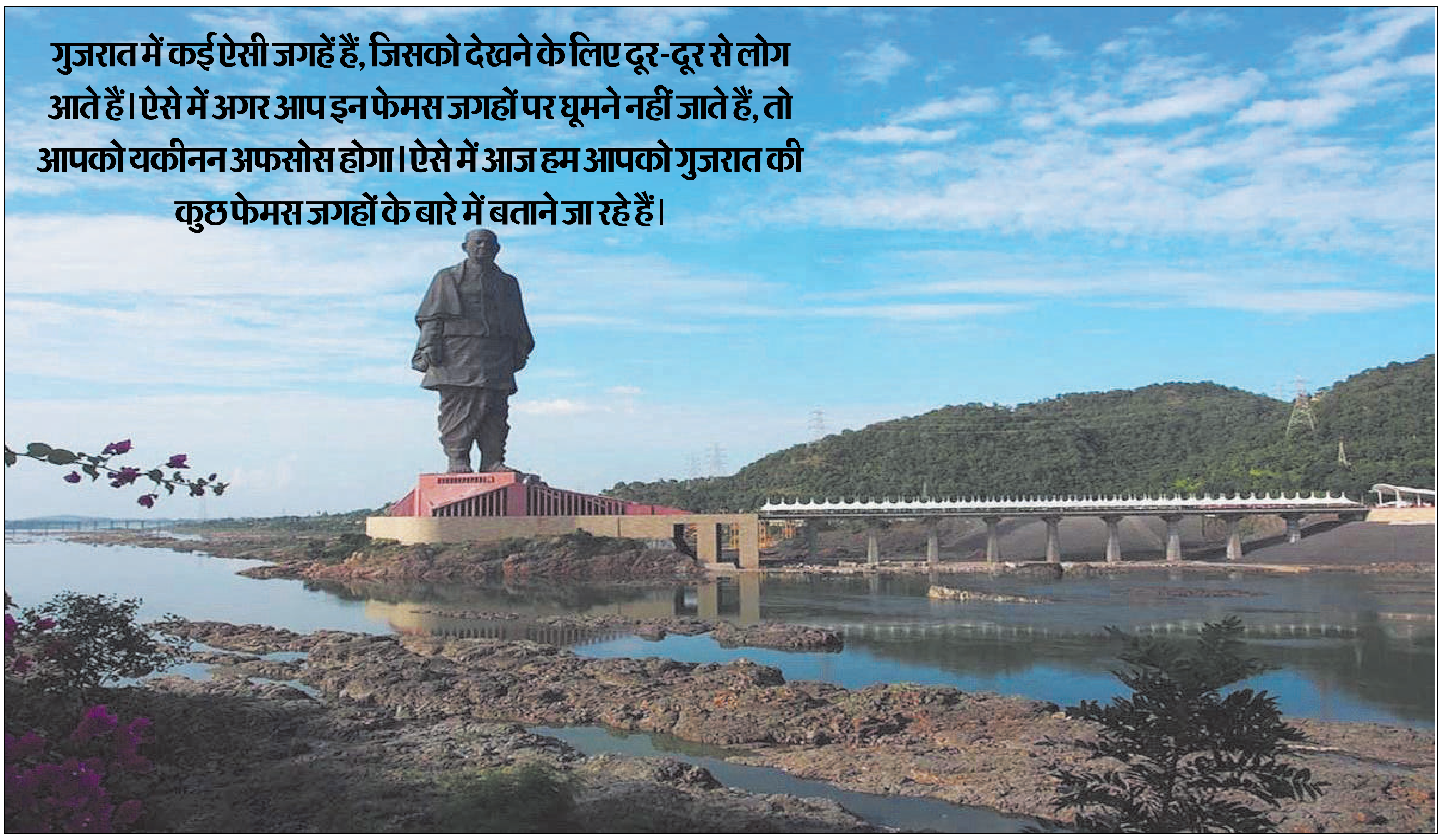

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

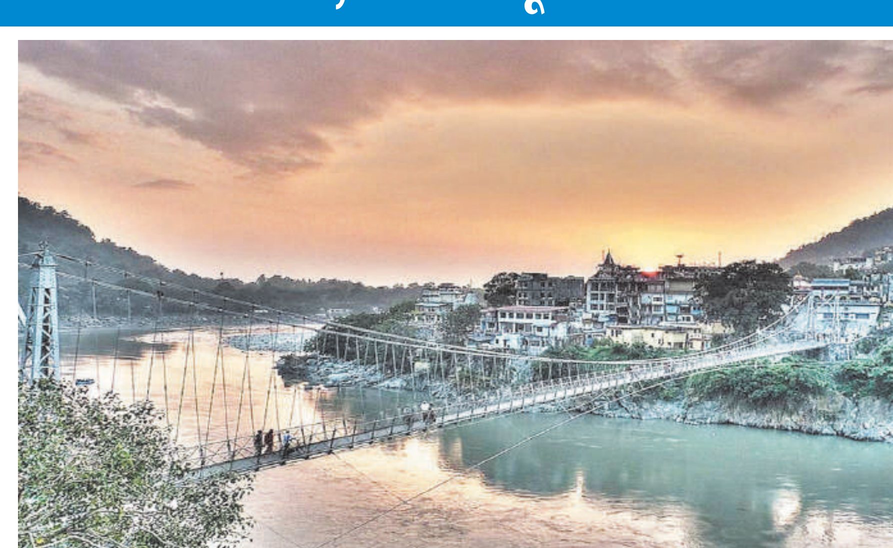

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. **सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च**

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर- हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

ममता ने सनातन को कहा था गंदा धर्म ? अब वकील ने कराया मामला दर्ज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सिलीगुड़ी में एक स्थानीय वकील की शिकायत के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ गंभीर धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ममता बनर्जी ने पिछले साल कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित ईद-उल-फितर के एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिससे करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), धारा 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया अपमान) और धारा 353 (विभिन्न समुदायों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यह मामला वकील रिंकी चटर्जी द्वारा दर्ज कराया गया है, जिन्होंने साल 2025 में ईद के मंच से दिए गए ममता बनर्जी के भाषण का हवाला दिया है। आरोप है कि उस कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि वह उस गंदे धर्म को नहीं मानतीं जिसे विपक्षी दल ने जानबूझकर गढ़ा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक सार्वजनिक और मुस्लिम धार्मिक सभा के मंच से इस तरह की टिप्पणी करना पूरी तरह से अनुचित है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि टीएमसी के कई वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार सनातन धर्म को निशाना बनाया है और वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंदू समुदाय को परोक्ष रूप से धमकी दी गई थी। इससे पहले विपक्षी दलों ने भी इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर इसकी तीखी आलोचना की थी और इसे बहुसंख्यक समाज की आस्था का अपमान बताया था।

इस कानूनी कार्रवाई और एफआईआर के बाद तृणमूल कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में नजर आ रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस मामले को लेकर अब पार्टी के भीतर से ही विरोध के सुर उठने लगे हैं। टीएमसी की दार्जिलिंग इकाई के महासचिव और पेशे से वकील अत्री शर्मा ने व्यक्तिगत तौर पर एक बड़ा बयान देते हुए स्वीकार किया है कि जब पार्टी सत्ता में थी, तब भी संगठन के भीतर कई लोग इस प्रकार के बयानों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष पद पर रहते हुए इस तरह की टिप्पणी करना वास्तव में अनुचित था और पार्टी के प्रति वफादार रहने वाले कार्यकर्ताओं ने भी कभी ऐसी विवादास्पद टिप्पणियों का समर्थन नहीं किया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश के हर नागरिक को ऐसे मामलों में शिकायत दर्ज कराने का नैतिक अधिकार है। इस आंतरिक विरोध ने पूर्व मुख्यमंत्री की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

नीट–यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 13 गिरफ्तार

-एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर चला चुकी है तलाशी अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने नीट–यूजी 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में गिरफ्तार लोगों की 13 हो गई है। सीबीआई के मुताबिक लातूर निवासी डॉक्टर मनोज शिरुरे को इस मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उन्होंने कोचिंग सेंटर संचालक के बेटे समेत तीन छात्रों को आरोपी पी वी कुलकर्णी से रसायन विज्ञान का प्रश्नपत्र दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मामले में गिरफ्तार दूसरे आरोपी की पहचान तेजस हर्षदकुमार शाह के रूप में हुई है। वह पुणे स्थित डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी में भौतिकी के फैकल्टी सदस्य हैं। सीबीआई के मुताबिक उन्हें नीट–यूजी 2026 परीक्षा का लीक हुआ भौतिकी का प्रश्नपत्र पहले से गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिला था। एजेंसी अब तक देशभर में 49 स्थानों पर तलाशी अभियान चला चुकी है। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री की विस्तृत जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह मामला 12 मई को शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था। शिकायत में नीट–यूजी 2026 परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने की बात कही थी। सीबीआई के मुताबिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान के प्रश्नपत्र प्रसारित किए गए थे। एजेंसी अब प्रश्नपत्र लीक के असली स्रोत और पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है। सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की व्यापक, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिमाचल : पहाड़ दरकने से जाहलमा पुल टूटा, कार नदी में गिरी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिले लाहौल–स्पीति के उदयपुर में बिन बरसात ही कुदरत का भारी कहर देखने को मिला है। सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण तांदी–संसारी मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन (लैंडस्लाइड) के कारण आखिरकार ऐतिहासिक जाहलमा पुल टूट कर नदी में समा गया है। बीते तीन दिनों से इस पुल के एक छोर पर पहाड़ी से लगातार भारी चट्टानें गिर रही थीं, जिसके चलते अब पुल का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह धराशाई हो गया है। इस आपदा के कारण उदयपुर का लाहौल के मुख्य केंद्र केलांग और मनाली से संपर्क पूरी तरह कट गया है। जाहलमा पुल के टूटने से घाटी के लोगों की मुश्किलें बेहद बढ़ गई हैं। अब यदि स्थानीय निवासियों या पर्यटकों को मनाली या शेष हिमाचल के अन्य हिस्सों में जाना है, तो उन्हें पांगी घाटी होते हुए खतरनाक साच पास को पार कर चंबा के रास्ते सफर करना होगा। इस वैकल्पिक मार्ग से यात्रा करने में लोगों को करीब दो दिन का अतिरिक्त समय लगेगा। इसी बीच लाहौल की मूलिंग घाटी से भी एक और दर्दनाक हादसे की खबर आई है, जहां बीती रात करीब 10 बजे अचानक पहाड़ी दरक गई। इस लैंडस्लाइड की चपेट में आकर एक चलती कार अनियंत्रित होकर सीधे उफनती नदी में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में केवल चालक ही सवार था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और मुस्तैद पुलिस बल ने तुरंत संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कार सवार को सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर केलांग अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मूलिंग में आए दिन लैंडस्लाइड होता रहता है, जिससे हर वक्त लोगों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। इससे पहले मंगलवार को भी मूलिंग में भारी चट्टानें गिरने से लेह–मनाली नेशनल हाईवे घंटों बंद रहा था।

पूर्व सीएम विजयन के घर रेड करने पहुंचे ईडी अफसरों पर पत्थरबाजी

-विजयन के साथ ही उनकी बेटी के आवास पर भी छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के बाहर निकलने के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। कन्नूर में पूर्व सीएम विजयन के घर पर ईडी की छापेमारी खत्म होने के बाद जांच अधिकारी बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, तभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए ईडी अधिकारियों से सवाल पूछने लगे, जिससे गेट पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। लेकिन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी देर तक धक्का–मुक्की और अफरा–तफरी का माहौल बना रहा, इसके बाद सुरक्षाकर्मियों की मदद से अधिकारियों को बाहर निकाला गया। बात दें कि ईडी की कार्रवाई ने केरल की राजनीति में सियासी घमासान तेज किया है। सीपीआई(एम) के महासचिव एम.ए. बेबी ने मोदी सरकार और ईडी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई राजनीतिक मकसद से प्रेरित है और विपक्षी नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। सीपीआई(एम) के महासचिव बेबी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी का हवाला देकर कहा कि ट्रायल कोर्ट ने उन्हें राहत दी। उन्होंने दावा किया कि ईडी अब एक स्वतंत्र एजेंसी के बजाय भाजपा सरकार की राजनीतिक मशीनरी बन गई है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने और राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को केरल में कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री विजयन और उनकी बेटी वीणा के आवास भी शामिल थे। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है, जिसमें विजयन की बेटी की कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस का नाम सामने आया है। यह मामला कोच्चि स्थित कोच्चि मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े कथित अवैध भुगतानों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। ईडी की छापेमारी का मुख्य आधार अप्रैल 2025 में सीरियस फ्रॉड इंवेस्टिगेशन ऑफिस (एसएफआईओ) द्वारा दायर चार्जशीट है। एसएफआईओ ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस पर आरोप लगाया है कि उसने 2018–19 से तीन वर्षों तक सीएमआरएल से बिना कोई सेवा दिए अवैध भुगतान प्राप्त हुए थे। 2017 में एक्सालॉजिक और सीएमआरएल के बीच सॉफ्टवेयर और मार्केटिंग सेवाओं के लिए अनुबंध हुआ था, लेकिन जांच में पाया गया कि निर्धारित सेवाएं प्रदान नहीं की गईं। इस कथित वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा सबसे पहले 2019 में आयकर विभाग की सीएमआरएल परिसरों पर हुई छापेमारी के दौरान हुआ था, जिसकी रिपोर्ट में संदिग्ध भुगतानों का उल्लेख था। जनवरी 2024 में केंद्र ने एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस, सीएमआरएल और केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए एसएफआईओ को आदेश दिए थे।

आसाराम की उम्रकैद बरकरार, हाईकोर्ट ने कहा– तत्काल सरेंडर करें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत देने से इनकार करते हुए उनकी आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। हालांकि, अदालत ने उन्हें गैंगरेप (सामूहिक दुष्कर्म) के आरोप से बरी कर दिया है, लेकिन अन्य गंभीर आरोपों में उनकी दोषसिद्धि और सजा को यथावत रखा गया है। इसके साथ ही वर्तमान में पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का भी आदेश दिया है। यह अहम फैसला राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ में जस्टिस अरुण

मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की खंडपीठ ने सुनाया। कोर्ट ने आसाराम सहित तीन आरोपियों की ओर से दायर अपीलों पर सुनवाई पूरी करते हुए स्पष्ट किया कि नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि गैंगरेप की धारा के तहत दोष सिद्ध नहीं होता, इसलिए उन्हें उस विशेष आरोप से राहत दी गई, लेकिन अन्य सभी आरोप पर्याप्त रूप से साबित होते हैं। इसी वजह से उनकी मुख्य सजा बरकरार रहेगी। इस मामले के दो अन्य सह–आरोपियों, शिल्पी और शरतचंद को अदालत से आंशिक राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनकी अपीलों पर फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ दर्ज कुछ धाराओं में राहत प्रदान की है, जबकि शेष मामलों में निचली अदालत का आदेश यथावत रखा गया है। यह बहुचर्चित मामला वर्ष 2013 का है, जब जोधपुर स्थित आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आसाराम के खिलाफमामला दर्ज किया गया था। पुलिस जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद, वर्ष 2018 में विशेष अदालत ने आसाराम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आसाराम की ओर से हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जहां से अब उनकी मुख्य सजा को बरकरार रखते हुए उन्हें वापस जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है।

भारत में इबोला ने दी दस्तक, युगांडा से बेंगलुरु आई महिला मिली पॉजिटिव

– प्रशासन अलर्ट, किया क्वारंटीन

बेंगलुरु (एजेंसी)। अफ्रीकी देशों में कहर ढाने वाले खतरनाक इबोला वायरस की आहट भारत में भी महसूस की जा रही है। युगांडा से भारत आई एक महिला में इबोला वायरस जैसे गंभीर लक्षण दिखाई देने के बाद उसे बेंगलुरु की एक मेडिकल फैसिलिटी में क्वारंटीन कर दिया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, मृत्यु दर के मामले में यह वायरस कोरोना वायरस से कहीं ज्यादा खतरनाक है। संक्रमित मामलों में इस वायरस की मृत्यु दर 50 से 90 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसके कारण इसे बेहद घातक माना जाता है। इससे पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, युगांडा और दक्षिणी सूडान जैसे देशों में इस वायरस की वजह से 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

इबोला एक बेहद संक्रामक और जानलेवा वायरल बीमारी है, जिसके कारण मरीज को गंभीर रक्तस्राव (हेमोरेजिक बुखार) हो सकता है और शरीर के महत्वपूर्ण अंग तक खराब हो सकते हैं। यह वायरस किसी संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों, जैसे खून, लार या पसीने के सीधे संपर्क में आने से फैलता है। वर्तमान में इसकी कोई पुख्ता दवा या टीका उपलब्ध नहीं होने के कारण यह संक्रमण अत्यधिक जानलेवा साबित होता है। कांगो में इसकी भयावह स्थिति को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर रखा है। कांगो के इटुरी प्रांत में हिंसक संघर्षों के कारण इस बीमारी की शुरुआती पहचान करना और मुश्किल हो गया है। बेंगलुरु में संदिग्ध मामला सामने आने के बाद भारत सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित देशों की अनावश्यक यात्रा न करने की सलाह जारी की है। देश में सुरक्षा और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठकें की गई हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी सभी एयरलाइंस के लिए एक सख्त स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत विमानन कंपनियों को उड़ान के दौरान आवश्यक घोषणाएं करने तथा प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से ट्रांजिट करने वाले यात्रियों से अनिवार्य रूप से सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म भरवाने के निर्देश दिए गए हैं। देश के हवाई अड्डों और स्वास्थ्य केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि इस खतरनाक वायरस को भारत में फैलने से समय रहते रोका जा सके।

जुबीन गर्ग मौत मामला: कोर्ट ने 4 आरोपियों पर तय किए हत्या के आरोप

–अब दर्ज होंगे सभी गवाहों के बयान

गुवाहाटी(एजेंसी)। असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में एक बड़ा मोड़ सामने आया है। गुवाहाटी की एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए हैं, जिनमें से चार मुख्य आरोपियों पर सीधे तौर पर हत्या का आरोप लगाया गया है। यह न्यायिक कार्रवाई उस घटना के ठीक दो महीने बाद हुई है, जब सिंगापुर की एक अदालत ने जुबीन गर्ग की मौत को महज एक दुर्घटनावश डूबने का मामला करार दिया था और किसी भी तरह की आपराधिक साजिश से साफ इनकार कर दिया था। हालांकि, भारत में जिला और सत्र अदालत की जज शर्मिला भुयान की कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने और असम सीआईडी द्वारा गठित विशेष जांच दल की चार्जशीट का गहन परीक्षण करने के बाद भारतीय न्याय संहिता की 10 अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय करने का फैसला सुनाया।

अदालत द्वारा तय किए गए इन आरोपों में सामान्य इरादा, आपराधिक साजिश, हत्या, गैर-इरादतन हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और सबूत मिटाने से जुड़े बेहद गंभीर कानूनी प्रावधान शामिल हैं। इस बड़े फैसले के बाद अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी कानूनी सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। मामले में सबसे गंभीर आरोप भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का है, जो चार प्रमुख आरोपियों–सिद्धार्थ शर्मा, श्याम काणु महंता, शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रवा महंता पर लगाया गया है।

न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार, इन चारों मुख्य आरोपियों पर संयुक्त रूप से अपराध करने, आपराधिक साजिश रचने और हत्या की धाराओं के तहत मामला चलेगा। इसके अलावा, श्याम काणु महंता पर जबरन वसूली (धारा 308(2)), धोखाधड़ी व बेईमानी से प्रेरित करने (धारा 318(4)) और सबूत गायब करने (धारा 238) के अतिरिक्त आरोप भी लगाए गए हैं। वहीं, सिद्धार्थ शर्मा और शेखर ज्योति गोस्वामी पर अतिरिक्त रूप से विश्वासघात की धारा 316(5) लगाई गई है, जबकि अमृत प्रवा महंता पर भी धारा 238 के तहत सबूत मिटाने का आरोप दर्ज किया गया है।

इस मामले के अन्य आरोपियों में दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के चचेरे भाई और पूर्व असम पुलिस अधिकारी संदीपन गर्ग शामिल हैं, जिन पर धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) के तहत आरोप तय किए गए हैं। इसके साथ ही, गायक के दो पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स–परेश बैश्य और नंदेश्वर बोरा पर धारा 61(2) और 316(5) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का कहना है कि अब ट्रायल के दौरान अदालत में हर एक धारा की प्रासंगिकता और घटना में प्रत्येक आरोपी की वास्तविक भूमिका की गहनता से जांच की जाएगी। गौरतलब है कि मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में लाजारस आइलैंड के पास एक निजी यॉट ट्रिप के दौरान रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई थी। इस दुखद घटना के बाद पूरे असम में शोक की लहर दौड़ गई थी और उनकी मौत की परिस्थितियों को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया था। सार्वजनिक आक्रोश और संदेह को देखते हुए असम सरकार ने मामले की गहराई से जांच के लिए तत्काल एक एसआईटी का गठन किया था। खुद मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सार्वजनिक रूप से इस घटना को साफ-साफ हत्या करार देते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे, जिसके बाद अब कोर्ट ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है।

खड़गे का महंगाई पर तीखा वार~मोदी सरकार की प्रायोजित मंहगाई से जनता के पसीने छूट रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देश में बढ़ती महंगाई और ईंधन की आसमान छूती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने अपनी भड़ास निकालते हुए लिखा, भाजपा प्रायोजित महंगाई की आग से आम जनता के पसीने छूट रहे हैं। अपनी सरकार की बेहिसाब लूट पर भी कभी कुछ बोलिए, पीएम मोदी जी? उनके बयान को केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और विशेषकर पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों पर एक सीधा राजनीतिक प्रहार बताया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान तब आया है, जब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई चरणों में लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस का आरोप रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अपेक्षाकृत स्थिरता के बावजूद, आम जनता को ईंधन की कीमतों में कोई राहत नहीं दी जा रही है। बल्कि, मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स लगाकर जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है, इस को कांग्रेस फ्यूल लूट का नाम दे रही है। पार्टी नेताओं ने हाल के दिनों में ÷फ्यूल लूट÷ और ÷महंगाई÷ को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ अपना मोर्चा तेज किया है। कांग्रेस नेता खड़गे का पोस्ट सिर्फ पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा इशारा रसोई, परिवहन व्यवस्था, कृषि क्षेत्र और छोटे कारोबार पर पड़ने वाले व्यापक असर की ओर है। कांग्रेस का कहना है कि ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ती है, जिससे हर जरूरी वस्तु की कीमत में इजाफा होता है। इस बढ़ोतरी का अंतिम बोझ अंततः आम उपभोक्ता पर पड़ता है, जिससे उसकी जेब और तंग होती जाती है। यह मुद्दा अब भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव का बड़ा केंद्र बिंदु बनता जा रहा है। जहां कांग्रेस इस फेल नीति को जनता की कमाई पर सीधा हमला बताकर मोदी सरकार को घेर रही है, वहीं सत्ताधारी भाजपा विपक्ष पर गैर-जरूरी मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इस तरह, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतें आने वाले दिनों में भी राजनीतिक बहस का गरमागरम विषय बनी रहेंगी, खासकर जब देश में चुनावी माहौल बना हुआ है।

सीएम सुक्खू की दो टूक कहा– वो करें तो पुण्य हम करें तो पाप

–पंचायत चुनाव पर हो रही सियासत

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में जारी पंचायत चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप का दौर बेहद तेज हो गया है। राज्य की कांग्रेस सरकार पर भाजपा द्वारा लगाए गए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों, मुख्य सचिव की नियुक्ति और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के मुद्दों पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कड़ा रुख अपनाते हुए विपक्ष पर जोरदार पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष की कथनी और करनी में हमेशा से ही बड़ा अंतर रहा है। वे करें तो पुण्य हम करें तो पाप। संजय गुप्ता को कार्यवाहक मुख्य सचिव से नियमित मुख्य सचिव बनाए जाने के प्रशासनिक फैसले पर भी मुख्यमंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की सोच अब आप करें तो पुण्य और हम करें तो पाप जैसी हो गई है। प्रशासनिक नियुक्तियां पूरी तरह से मौजूदा सरकार का अधिकार क्षेत्र हैं और हर रूटीन फैसले को राजनीतिक रंग देना कतई उचित नहीं है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने याद दिलाया कि जब विधानसभा में अनाथों और विधवाओं के कल्याण के लिए सेस (उपकर) बढ़ाने का मुद्दा आया था, तब भाजपा ने उसका पुरजोर विरोध किया था, लेकिन आज वही भाजपा

केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई तेल की कीमतों पर पूरी तरह मौन है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केवल 11 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दाम करीब 7 रुपये तक बढ़ा दिए गए, जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। दूसरी तरफ, व्यापारियों को राहत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंस्पेक्टर राज को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है और अब दुकानदार अपनी इच्छा से 24 घंटे दुकानें खोल सकते हैं, बशर्ते श्रमिकों को उनका उचित मेहनताना मिले। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने पंचायत चुनाव के पहले चरण में जनता की भारी भागीदारी पर गहरा संतोष व्यक्त किया। कैबिनेट बैठक को लेकर विपक्ष के घेराव पर मुख्यमंत्री ने साफ किया कि पंचायत चुनावों के दौरान कैबिनेट बैठकें होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने प्रदेश के राजनीतिक इतिहास और पूर्व की सरकारों का उदाहरण देते हुए कहा कि वीरभद्र सिंह, प्रेम कुमार धूमल और जय राम ठाकुर के कार्यकाल में भी चुनावी माहौल के दौरान कैबिनेट बैठकों का आयोजन होता रहा है। ऐसे में भाजपा का मौजूदा विरोध केवल सस्ती राजनीतिक बयानबाजी के अलावा और कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में आयोजित कैबिनेट बैठक में आम जनता से जुड़े बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे, जिन पर बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए समय पर निर्णय लेना अनिवार्य था। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि आदर्श आचार संहिता का सम्मान करते हुए इस बैठक की आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग चुनाव परिणाम आने के अगले दिन यानी 1 जून को ही की जाएगी।

यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाने सरकार बना रही खास प्लान

–प्रस्ताव मुख्य सचिव को भेजा, मंजूरी मिलते ही योजना को मिलेगी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी सरकार मानसून में यमुना नदी के बढ़े हुए जल स्तर का सदुपयोग करना चाहती है, इसलिए एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार कर रही है। इसके तहत यमुना का पानी अरावली पहाड़ी तक पहुंचाया जाएगा। इसका उद्देश्य पहाड़ी क्षेत्र में जल संकट को कम करना और भूजल स्तर को बढ़ाना है। सिंचाई विभाग ने इस योजना के लिए अध्ययन कर लिया है। प्रस्ताव सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पास भेजा गया है। उन्होंने सकारात्मक रुख अपनाया है। अब प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद योजना को गति मिलेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिंचाई विभाग की ओर से इस परियोजना पर काम किया जाएगा। ददसिया गांव के पास से नदी बहती है। यहीं से तिलपत फायरिंग रेंज होते हुए बढ़े हुए जल स्तर को पाइपों के जरिए आगे ले जाया जाएगा। यह पाइप लाइन बुढ़िया नाले के किनारे से होते हुए हाईवे को पार करेगी और अनंगपुर गांव के पास पहाड़ी तक ले जाई जाएगी। इस पाइप लाइन से प्रतिदिन 300 क्यूसेक पानी जाएगा। मानूसन के तीन महीने में नदी में खूब पानी होता है। इसलिए 90 दिन तक तय कृत्रिम तालाबों को भरा जाएगा। इन तालाबों का पानी साफ कर आसपास के सेक्टर, कालोनी, सोसायटी व गांव तक पहुंचाया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब 500 करोड़ आंकी गई है। यदि यह योजना परवान चढ़ती है तो आने वाले 50 साल तक गुरुग्राम को भी लाभ पहुंचेगा। इस योजना से आसपास के गांव के भूजल स्तर पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। साथ ही आसपास के इलाकों को भरपूर पेयजल भी मिलता रहेगा। भूजल स्तर के मामले में फरीदाबाद डार्क जोन में है। यमुना नदी किनारे भी 80 से 100 फुट पर जल स्तर है। पहाड़ी इलाकों में तो यह जल स्तर 600 से 700 फुट तक है। हालात चिंताजनक हैं। इसलिए सरकार भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत नदी के पानी को अरावली तक ले जाने की तैयारी है।

बकरीद से पहले राजमहल में पुलिस का फ्लैग मार्च, अफवाहों से सतर्क रहने की अपील

बिभा संवाददाता

राजमहल। बकरीद (ईद-उल-जुहा) को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर राजमहल पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। वहीं बुधवार को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे व पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर राजमहल थाना पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाल कर आम लोगों में विश्वास कायम करने और सामाजिक एकता का संदेश देने की संदेश दिया। जिसका नेतृत्व राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने किया। इस दौरान मटियाल, फुलवरिया, मानसिंघा, बंगालीपारा और जामनगर जैसे क्षेत्रों से गुजरते हुए पुलिस टीम ने स्थानीय नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और त्योहार को मिल-जुलकर मनाने की अपील की। वहीं फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने खास तौर पर सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सावधान रहने को कहा। वहीं थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने स्पष्ट संदेश दिया कि ह्लत्योहार खुशियां बांटने का अवसर है, इसलिए किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें।ह्व वहीं पुलिस प्रशासन ने संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की बात कही है ताकि बकरीद का पर्व पूरी शांति और भाईचारे के साथ संपन्न हो सके।

बकरीद पर्व को लेकर शहर में निकाला गया फ्लैग मार्च, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

तालझारी । बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को तालझारी सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद के नेतृत्व में तालझारी थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान आमजनों में सुरक्षा और विश्वास का माहौल कायम रखने का संदेश दिया गया। वहीं फ्लैग मार्च तालझारी थाना क्षेत्र के करणपुरा, महराजपुर, धनबाद भट्ठा, कल्याणी, मोतीझरना, डाकबंगला, सकरीगली तक निकाला गया। इसका उद्देश्य लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाना और पर्व के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए जागरूक करना था। वहीं सीओ राम सुमन प्रसाद ने कहा कि पुलिस प्रशासन बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने कहा कि पर्व को लेकर थाना क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। साथ ही उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए पुलिस का सहयोग करने की अपील की। वहीं फ्लैग मार्च में सीओ व पुलिस पदाधिकारी के अलावे पुलिस बल शामिल थे।

शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं बकरीद का त्यौहार : इंस्पेक्टर

उधवा । ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व आपसी सौहार्द व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर बुधवार को राधानगर पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। जानकारी के अनुसार राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन के नेतृत्व में राधानगर पुलिस ने थाना मुख्यालय से फ्लैग मार्च निकाला। जो उधवा हाईस्कूल,उधवा चौक, पाकीजा मोड़, जंगलपाड़ा, इंग्लिश, पियारपुर, अमानत दियारा, बालुगांव, प्राणपुर, राधानगर, चांदशहर सहित अन्य इलाकों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के दौरान राजमहल इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने कहा कि बकरीद पर्व को लेकर पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि असमाजिक तत्वों व सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर है। कहा कि अफवाह फैलाने वालों को सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से बकरीद पर्व आपसी सौहार्द व शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील किया। वहीं थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने कहा कि किसी तरह समस्या होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस आपकी सेवा के लिए हमेशा तत्पर है। साथ ही उन्होंने क्षेत्रवासियों से आपसी भाईचारा व शांतिपूर्ण वातावरण में बकरीद पर्व मनाने की अपील किया। मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक पंकज कुमार दुबे,सहायक अवर निरीक्षक हाकिम मुर्मू सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी व पुलिस के जवान मौजूद थे।

प्रेम व उत्साह के साथ मनाएं बकरीद का त्यौहार : बीडीओ

बिभा संवाददाता

उधवा । जिलेभर में ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व आज (गुरुवार) को हर्षोल्लास के मनाया जाएगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों में ईद-उल-अजहा की सामूहिक नमाज अदा की जाएगी। बकरीद पर्व को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए है ?। इस संदर्भ में बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने इस संवाददाता को बताया कि बकरीद पर्व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर थाना क्षेत्र में 15 स्थानों पर दण्डाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि बकरीद पर्व को लेकर थाना क्षेत्र में सुपर गश्ती एवं गश्ती दल भ्रमण करेगी। कहा कि सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को बकरीद पर्व की बधाई दी। साथ ही उन्होंने क्षेत्रवासियों से आपसी सौहार्द व भाईचारा के साथ बकरीद का त्यौहार मनाने की अपील की।

जेएसएलपीएस की पहल बनी राहत का सहारा, पेयजल सुविधा केंद्र से राहगीरों को मिल रहा ठंडा पानी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए साहिबगंज जिले में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा जनहित में एक सराहनीय पहल की गई है। जिले के सभी प्रखंडों में कुल 44 सीएलएफ के माध्यम से पेयजल सुविधा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां आम लोगों और राहगीरों के लिए ठंडे एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। यह पहल मुख्यमंत्री, सचिव एवं सीईओ, जेएसएलपीएस के निर्देश के आलोक में सखी मंडल की दीदियों द्वारा सेवा भाव के साथ संचालित की जा रही है। भीषण गर्मी के बीच यह सुविधा केंद्र लोगों के लिए राहत का बड़ा सहारा बनकर उभरा है। वहीं सड़क से गुजरने वाले राहगीरों, रिक्शा चालकों, मजदूरों और स्थानीय नागरिकों ने इस व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी में स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध होने से उन्हें काफी राहत मिल रही है।

सखी मंडल की दीदियां पूरी निष्ठा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ इस कार्य को सफलतापूर्वक संचालित कर रही हैं। जेएसएलपीएस की यह पहल न केवल सामाजिक सेवा का उदाहरण पेश कर रही है, बल्कि सामुदायिक सहभागिता और जनकल्याण की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम भी साबित हो रही।

संक्षिप्त खबरें

वृंदावन में क्लस्टर बैठक संपन्न, स्वास्थ्य योजनाओं की हुई समीक्षा

साहेबगंज (बिभा)। आयुष्मान आरोग्य मंदिर वृंदावन में सगडभंगा एवं वृंदावन क्लस्टर की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीएचओ एस्टर हेंब्रम ने की। वहीं बैठक में दोनों क्लस्टरों की सभी सहिया दीदी एवं सहिया साथी उपस्थित रहीं। वहीं बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। साथ ही आधार कार्ड से संबंधित कार्यों पर विशेष चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। इस अवसर पर केटीएस अभिषेक कुमार व एमपीडब्ल्यू वीरेंद्र कुमार ने सभी सहिया दीदियों को कालाजार एवं मलेरिया की स्लाइड लेने संबंधी प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान बीमारी की पहचान, जांच प्रक्रिया एवं बचाव के उपायों की जानकारी भी दी गई। मौके पर एएनएम संगीता कुमारी, सहिया साथी मेरी कर्मकार, सजोनी मुर्मू, पिरामल संस्था के दीपक कुमार, सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

देवघर से पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

देवघर(बिभा)। देवघर जिले की पुलिस ने पांच साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर देवघर जिले में संदिग्ध साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान में पुलिस ने पांच साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में अयुब अंसारी (26), मुस्तफा अंसारी (40), मो० बाबर अंसारी (33), इरफान अंसारी (29), समीद अंसारी (31) शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से 11 मोबाइल फोन, 24 सिम कार्ड, 1,22,060 नकद राशि, एक चारपहिया वाहन एवं एक दोपहिया वाहन बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में बरामद मोबाइल फोन और सिम कार्ड का उपयोग साइबर ठगी में किए जाने की पुष्टि हुई है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपित ठगी से प्राप्त राशि को एटीएम से निकालकर कमीशन के आधार पर नगद उपलब्ध कराने का कार्य करते थे।

खलारी रेलवे स्टेशन में सुविधाओं के विस्तार की मांग, समिति ने डीआरएम के नाम सौंपा ज्ञापन

खलारी(बिभा)। कर्णपुरा देवरखंड कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बुधवार को खलारी रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक से मुलाकात कर धनबाद रेल मंडल प्रबंधक (डीआरएम) के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से स्टेशन पर यात्रियों को हो रही समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं की कमी की ओर रेलवे प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया ।समिति के सदस्यों ने बताया कि खलारी रेलवे स्टेशन रेलवे को करोड़ों रुपये का राजस्व उपलब्ध कराता है, लेकिन इसके बावजूद यहां यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं ।उन्होंने कहा कि स्टेशन की वर्तमान व्यवस्था यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप नहीं है, जिससे लोगों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।ज्ञापन में प्लेटफॉर्म संख्या 2 एवं 3 के विस्तार की मांग की गई है, ताकि यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में सुविधा हो सके ।इसके साथ ही यात्री शेड का विस्तार, फुट ओवरब्रिज को चौड़ा करने, स्वच्छ शौचालय एवं शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था करने तथा आधुनिक कंप्यूटराइज्ड समय-सारणी बोर्ड लगाने की मांग भी की गई ।समिति ने कहा कि यदि इन सुविधाओं का शीघ्र विस्तार और सुधार किया जाता है,तो यात्रियों को काफी राहत मिलेगी और स्टेशन की व्यवस्था भी बेहतर होगी। इस दौरान समिति के अध्यक्ष कुणाल प्रताप सिंह समेत शैलेश कुमार सिंह, सुशील गगरई मुंडा, जितेंद्र सिंह, रविंद्र पासवान, राहुल शर्मा, चमन तुरी, बीरेंद्र नायक और रवीन्द्रनाथ चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

विधायक की पहल से चांदशहर पंचायत में लगा नया ट्रांसफार्मर, लोगों में खुशी

बिभा संवाददाता

राधानगर/उधवा । उधवा प्रखंड अंतर्गत चांदशहर पंचायत के वार्ड संख्या-5 में बुधवार को नए 63 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन जिप सदस्य शाहनारा बीबी,उप मुखिया प्रतिनिधि बरकत शेख व झामुमो कार्यकर्ता जैनुल आबेदीन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। नया ट्रांसफार्मर के चालू होते ही इलाके में फिर से बिजली आपूर्ति बहाल हो गई। जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। गौरतलब है कि बीते दिनों उक्त वार्ड में ट्रांसफार्मर में अचानक खराबी आ गया था। जिसके कारण पूरे इलाके में अंधेरा छा गया था। करीब 100 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली नहीं रहने से ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा को दिया। ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए विधायक के निर्देश पर बिजली विभाग ने नया 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया। जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया है। मौके पर मोजाहिर शेख, मैजुल शेख, छुटुन दास, जहरुल शेख, सरेफुल शेख, कामिल शेख, समूल शेख, राजीव शेख सहित अन्य मौजूद थे।

बीडीओ ने पश्चिमी प्राणपुर पंचायत का किया निरीक्षण, दिए दिशा- निर्देश

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने बुधवार को उधवा प्रखंड अंतर्गत पश्चिमी प्राणपुर पंचायत का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरकारी योजनाओं की प्रगति एवं आम जनता को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने पंचायत भवन का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां आने वाले ग्रामीणों के लिए पेयजल,बिजली,बैठने की व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। बीडीओ ने पंचायत कार्यालय को सुचारू रूप से संचालित करने और आम लोगों के काम बिना देरी के निपटाने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने पंचायत की मुखिया एवं वार्ड सदस्यों के साथ बातचीत करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद बीडीओ श्री तिवारी ने प्रखंड क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से जनगणना से संबंधित आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को क्षेत्र में पारदर्शी तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक हारून रशीद, निर्वाचन नोडल सूरज टुडू सहित अन्य मौजूद थे।

पुरुषोत्तम मास में दिखी आस्था और सेवा की मिसाल, खाटू श्याम निशान यात्रा ने दिया सामाजिक संदेश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। पुरुषोत्तम मास की एकादशी पर बुधवार को साहिबगंज शहर श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता के रंग में रंगा नजर आया। मारवाड़ी समाज की ओर से निकाली गई खाटू श्याम बाबा की भव्य निशान शोभायात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं रही, बल्कि लोगों को दान, सेवा और मानवता का संदेश भी देती दिखी। वहीं चौक बाजार स्थित डाकिनाथ मंदिर की ठाकुरबाड़ी से शुरू हुई यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु राजस्थानी वेशभूषा में शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों, भक्ति गीतों और हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा जैसे जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। यात्रा का नेतृत्व मारवाड़ी समाज के पुरोहित महेंद्र शर्मा ने किया। वहीं शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों- महात्मा गांधी चौक, जैन राय रोड, महाजन पट्टी, गुड़ बाजार और धर्मशाला चौक से गुजरते हुए दहला स्थित पुरुषोत्तम गली पहुंची, जहां खाटू श्याम बाबा के शीश की स्थापना की गई है। श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में निशान अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर खाटू श्याम मंदिर के पुरोहित सोनू पांडे ने पुरुषोत्तम मास के महत्व को बताते हुए कहा कि यह केवल पूजा-पाठ का नहीं, बल्कि दान और जरूरतमंदों की सहायता का भी महीना है। उन्होंने दानवीर कर्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि सच्ची भक्ति वही है, जिसमें समाज और जरूरतमंदों के प्रति संवेदना जुड़ी हो।

पूरे आयोजन में खास बात यह रही कि धार्मिक उत्साह के साथ-साथ लोगों को सेवा, सहयोग और परोपकार का संदेश भी दिया गया। श्रद्धालुओं ने इसे आस्था के साथ मानवता का पर्व बताया।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं डीएलआरएसी की समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने दिए आवश्यक व उचित दिशा निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहारः समाहरणालय सभागार में उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) एवं(डीएलआरएसी) की चतुर्थ त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से वार्षिक ऋण योजना 2025-2026 बैंको की उपलब्धियों पर चर्चा, वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए सी.डी. रेशियों पर चर्चा, सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न कार्यक्रम की समीक्षा कर लक्ष्य के अनरूप कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में वार्षिक साख योजना 2025-2026 मार्च तक की उपलब्धियों की समीक्षा की गई, जिसमें यह पाया गया कि लक्ष्य के अनुसार कार्य नहीं हुआ है। उपायुक्त ने बैंकों को निर्देशित किया इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी, सभी बैंक लक्ष्य के अनरूप कार्य करना सुनिश्चित करें। बैठक में एलडीएम ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 मार्च तक में बैंको की सीडी रेसियो कुल उपलब्धि 42.75 प्रतिशत हुई है। किसान क्रेडिट कार्ड की समीक्षा में बताया गया कि वार्षिक साख योजना 2025-26 के लक्ष्य हेतु कुल संख्या 74,944 एवं कुल राशि 42143.96 लाख के विरुद्ध, वित्तीय वर्ष में कुल संख्या 7,915 एवं राशि ?4478.31 लाख का ऋण वितरित किया गया, यानि राशि लक्ष्य के 8.81% की उपलब्धि हुई। अब तक इस योजना के अन्तर्गत कुल 29,301 किसानों को 25619.57 लाख की राशि वितरित हो चुकी है। किसान क्रेडिट कार्ड सेचुरेशन के लिए जिला में कुल 77,791 लैंड-होल्डिंग हैं। जिले में पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत डी०बी०टी० के माध्यम से भुगतान प्राप्त करने वाले लाभुकों की कुल संख्या 68,508 हो चुकी है ।उपायुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप किसानों को केसीसी का लाभ देने का निर्देश दिया। उपायुक्त के द्वारा समीक्षा क्रम में लक्ष्य के अनरूप प्राथमिकता के साथ ऋण स्वीकृति को लेकर एलडीएम को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के संचालन में लापरवाही नहीं बरतें निर्धारित लक्ष्य को समय पूरा करें ।बैठक में सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि स्वरोजगार, कृषि, मत्स्य, पशुपालन, शिक्षा एवं अन्य विकासात्मक योजनाओं में बैंकों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है, ताकि आमजन को समय पर ऋण एवं अन्य वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान नाबार्ड द्वारा प्रकाशित संभाव्यतायुक्त ऋण योजना 2026-2027 पुस्तक का विमोचन किया गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, अग्रणी विकास अधिकारी, भारतीय रिजर्व बैंक रांची, मृदुला सोरेन, एलडीएम, जिले के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक, अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

वैभव सूर्यवंशी ने खेली ऐतिहासिक पारी, क्रिस गेल का एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड टूटा

जयपुर (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क - वैभव सूर्यवंशी ने IPL 2026 के एलिमिनेटर मुकाले में सनराइजर्स हैदराबाद ऐतिहासिक पारी खेलते हुए क्रिस गेल का एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सूर्यवंशी ने 60 छक्कों के साथ गेल को पीछे छोड़ा और अब IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के हो गए हैं। गेल ने 2012 में यह रिकॉर्ड बनाया था जो 14 सालों के बाद टूटा है।

सूर्यवंशी ने 29 गेंदों पर 97 रन की शानदार इनिंग खेलते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। गेल ने 2012 में IPL में 59 छक्के लगाए थे। वहीं इस लिस्ट में आंद्रे रसेल का नाम भी है जिन्होंने 2019 में 52 छक्के लगाए थे। लिस्ट में चौथे नम्बर पर एक बार फिर गेल हैं जिन्होंने 2013 में IPL के एक सीजन में 51 छक्के लगाए थे। लिस्ट में पांचवें खिलाड़ी जोस बटलर हैं जिन्होंने 2022 में 45 छक्के लगाए थे।

एक आईपीएल सीजन में सबसे ज़्यादा छक्के

60* - वैभव सूर्यवंशी (2026)
59 - क्रिस गेल (2012)
52 - आंद्रे रसेल (2019)
51 - क्रिस गेल (2013)
45 - जोस बटलर (2022)

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2026 में रिकॉर्ड

सूर्यवंशी ने 16 मैचों की 16 इनिंग्स में 704 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका हाइएस्ट 103 रहा है। उन्होंने 45.33 की औसत और 242.85 की स्टाइक रेट से ये रन बनाए जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक लगाए हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन और पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर सबसे आगे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में अब सबसे अधिक रनों के लिए मिलन वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए मुकाबला अंतिम दौर में पहुंच गया है। ऑरेंज कैप की दौड़ में अभी भी गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन नंबर एक पर बने हुए हैं। सुदर्शन के अभी तक सबसे अधिक 652 रन हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल है। नंबर एक जबकि गिल 618 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं सनराइजर्स के हेनरिक क्लासेन 606 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। आरसीबी के विराट कोहली के इस सत्र में कुल रन 600 हो गए और उन्होंने इस प्रकार दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया। राहुल 593 रन बनाकर पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में आरसीबी के तेज भुवनेश्वर कुमार 26 विकेट लेकर पहले। वहीं गुजरात के केसिगो रबाडा भी 26 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। रबाडा इकॉनमी 13.50 रही। भुवनेश्वर इससे बेहतर इकॉनमी रेट के कारण पहले नंबर पर हैं। राजस्थन रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर 21 विकेट लेकर तीसरे जबकि सीएसक के अंशुल कंबोज भी 21 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं। गुजरात के राशिद खान 14विकेट लेकर पांचवे नंबर पर हैं।

शुभमन ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

धर्मशाला (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली हार से निराश नजर आये। शुभमन ने इस बार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया। साथ कहा कि उनकी टीम दबाव का सामना ठीक से नहीं कर पायी। इस मैच में गुजरात टाइटंस की टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए ढ़ह गयी और उसे 92 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 254 रन बनाये थे। जिसके बाद गुजरात केवल 162 रन ही बना पायी।

शुभमन ने टीम की बार के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी टीम मैच में बनी हुई थी पर कई अवसरों पर हुई गलतियों ने मुकाबला उनके हाथ से फिसल गया। साथ ही कहा कि 12वें-13वें ओवर तक उनकी टीम मुकाबले में थी पर जिस प्रकार से कैच गिरे उससे विरोधी टीम हावी हो गयी। शुभमन ने कहा, मुझे लगता है कि हम 12वें-13वें ओवर तक मैच में अच्छी स्थिति में थे। हमारी फील्डिंग बिल्कुल स्तर के अनुसार नहीं थी हालांकि हम ये मैच भूलकर अब दूसरे क्वालीफायर में जीतने का प्रयास करेंगे। उन्होंने साथ हीकहा, दबाव वाले मौकों पर हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। हमार शुरुआत ही अच्छी नहीं रही। आउटफील्ड तेज थी, लेकिन जिस तरह पिच खेल रही थी, उस हिसाब से लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। टीम के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने का एक कारण बल्लेबाज साई सुदर्शन का बदकिस्मती से हिट-विकेट आउट होना भी रहा। जिस गेंद पर उन्होंने चौका लगाया, उसी गेंद पर उनका बल्ला विकेट से टकरा गया। इस पर गिल ने कहा, ऐसे विकेट बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। टीम की खराब फील्डिंग हार का सबसे बड़ा कारण रही। टीम ने एक ही ओवर में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले रजत पाटीदार के दो कैच गिरा दिए। पाटीदार ने इन मौकों का पूरा फायदा उठाया और आक्रामक बल्लेबाजी कर केवल 33 गेंदों में नाबाद 93 रन बना दिये जिससे मैच पलट गया। दिए। उनकी पारी में चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए उनकी टीम दबाव में आ गयी और कोई भी बल्लेबाज विकेट पर टिक नहीं पाया।

रैना ने शुभमन और सुदर्शन की जोड़ी को आईपीएल की सबसे अच्छी जोड़ी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इनकी जोड़ी आईपीएल इतिहास की सबसे अच्छी सलामी जोड़ी है। रैना ने कहा कि शुभमन और सुदर्शन ने जिस तेजी और निरंतरता के साथ रन बनाए हैं। ऐसा करने में कोई भी दूसरी जोड़ी सफल नहीं रही है। इन दोनों ने साथ मिलकर केवल 46 पारियों में ही तेजी से खेलते हुए 21 बार 50 या उससे अधिक रनों की साझेदारी की है। इससे उनकी आपसी समझ और मैदान पर एक दूसरे के साथ अच्छे तालमेल का पता चलता है।

रैना ने कहा कि इस जोड़ी ने विराट कोहली और क्रिस बेल के अलावा एबी डिविलियर्स और-विराट की जोड़ी को भी पीदे छोड़ दिया है। रैना ने कहा, जहां गेल और कोहली को 21 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी तक पहुंचने में 59 पारियां लगी थीं, वहीं डिविलियर्स और कोहली ने यह उपलब्धि 76 पारियों में हासिल की थी जबकि शुभमन और सुदर्शन ने यह आंकड़ा केलव 46 पारियों में ही हासिल कर लिया।

इन जोड़ी ने आईपीएल के अलावा टी20 क्रिकेट में भी कई बड़े रिकॉर्ड बनाये हैं। इस जोड़ी ने अब तक 10 शतकीय साझेदारियाँ बनायी हैं, और यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह सबसे तेज जोड़ी है। इस जोड़ी ने आईपीएल में बिना कोई विकेट खोये 200 रन के लक्ष्य को भी आसानी से हासिल किया है। इन दोनो ने ही पारी शुरु करते हुए आईपीएल में 2000 से अधिक रन बनाये हैं, और उनकी साझेदारी का औसत 67 से अधिक का है, जो उनकी निरंतरता और एक-दूसरे के प्रति समझ को स्पष्ट रूप से दिखाता है। यह औसत उनकी बल्लेबाजी की गहराई और हर हाल में प्रदर्शन करने की क्षमता भी दिखाता है।

रैना के अनुसार, गिल और सुदर्शन की सबसे बड़ी ताकत उनके बीच की अच्छी समझ और फिटनेस है। उन्होंने समझाया, दोनों बल्लेबाज अविश्वसनीय रूप से फिट हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि कब आक्रामक होना है और किस गेंदबाज को निशाना बनाना है। एक गेंद की गति का इस्तेमाल करता है, जबकि दूसरा कोण बनाकर शानदार शॉट्स खेलता है, जिससे विपक्षी गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना असंभव हो जाता है। इसका भी सबसे बड़ा लाभ टीम को मिला है।

बुमराह को अब भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद निशाने पर आये तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। डिविलियर्स ने कहा है कि बुमराह अभी भी विश्वकप के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और महज एक सत्र खराब होने से उन्हें खारिज नहीं किया जा सकता है। डिविलियर्स ने माना है कि बुमराह मुंबई इंडियंस की ओर से उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर कहा कि इस प्रकार का खराब दौर हर क्रिकेटर के जीवन में आता है पर इसका कतलब ये नहीं कि वे बेकार हो गये। साथ ही कहा कि इससे उनकी गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता और वह जल्द ही अपने पुराने रंग में लौटेंगे। बुमराह के लिए यह सत्र बेहद खराब रहा है। पूरे टूर्नामेंट में वह 13 मैच केवस 4 विकेट ही ले पाये। ये उनके जैसे खिलाड़ी के लिए बेहद निराशाजनक है। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 रहा, जो टी20 क्रिकेट के इतिहास में एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंकने वाले गेंदबाज का अब तक का सबसे खराब औसत माना जा रहा है। डिविलियर्स ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि एक खराब प्रदर्शन किसी भी खिलाड़ी की क्लास को खत्म नहीं कर सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, यह बुमराह के आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका औसत 100 से ज्यादा रहा, लेकिन इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन सबके बावजूद, मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाज हैं। डिविलियर्स ने बुमराह की क्षमताओं पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। साथ ही कहा कि वह जल्द ही अपने पुराने शानदार अंदाज में वापसी करेंगे।

सुमित अंतिल ने इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

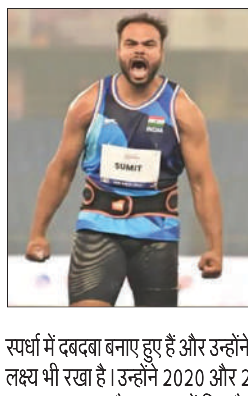

बेंगलुरु । स्टार भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल ने बुधवार को यहां इंडियन ओपन अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता 27 वर्षीय अंतिल ने भाले को 74.82 मीटर की दूरी तक फेंका जो उनके 73.29 मीटर के पिछले विश्व रिकॉर्ड से अधिक है। यह रिकॉर्ड उन्होंने 2022 एशियाई पैरा खेलों में बनाया था। अंतिल पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाए हुए हैं और उन्होंने निकट भविष्य में 80 मीटर का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य भी रखा है। उन्होंने 2020 और 2024 के पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं और 2023, 2024 और 2025 में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया है। उन्होंने चीन के हांगझोऊ में हुए 2022 एशियाई पैरा खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। एफ64 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में समस्या होती है और जो कृत्रिम अंग के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं या जिनके पैरों की लंबाई में अंतर होता है। वर्ष 2015 में मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल होने के बाद अंतिल ने घुटने के नीचे अपना बायां पैर गंवा दिया था।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं मनु की नजरें

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है। उन्होंने पिछले साल 10 मीटर एयर पिस्टल में वर्ल्ड कप रजत पदक जीता और इस साल भी 25 मीटर पिस्टल में एशियन चैंपियनशिप में रजत हासिल किया। अब उनका लक्ष्य एक बार फिर अपनी पुरानी, शीर्ष स्तरीय लय हासिल करना है, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक निर्विवाद मजबूत दावेदार बनाएगी। यह वापसी केवल उनके लिए नहीं, बल्कि भारतीय शूटिंग जगत के लिए भी प्रेरणा का स्रोत होगी। 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का क्वालिफिकेशन चक्र भी इसी साल से शुरू हो रहा है, और मनु भाकर इस पर भी अपनी पैनी निगाहें जमाए हुए हैं। उनका मानना है कि एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में किया गया दमदार प्रदर्शन न केवल उन्हें वर्तमान सत्र में सफलता दिलाएगा, बल्कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए भी एक मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करेगा। खेल के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी मनु ने साझा किया। उन्होंने 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग की वापसी पर अपनी खुशी व्यक्त की। अपने खेल जीवन के अलावा, मनु ने अपने व्यक्तिगत जीवन में आए एक महत्वपूर्ण बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, मैं अब एक आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। यह आध्यात्मिक यात्रा ओलंपिक के दौरान ही शुरू हुई थी, और अब मैं पूरी तरह से इस रास्ते पर आगे बढ़ रही हूं। यह नया दृष्टिकोण उन्हें मानसिक शांति और एकाग्रता प्रदान कर रहा है, जो एक उच्च-स्तरीय एथलीट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

एफआईएच प्रो लीग के भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के यूरोपीय चरण में उतरेगी। हॉकी इंडिया ने इस लीग के लिए बुधवार को 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही युवा प्रतिभाओं को भी शामिल किया गया है। जिससे टीम के प्रदर्शन को देखकर आगामी हॉकी विश्व कप की तैयारियों का भी आंकलन किया जा सके।

टीम का यूरोप दौरा बेल्जियम से शुरू होगा, जहां टीम 7 से 9 जून 2026 तक ब्रुसेल्स में एक तैयारी शिविर और एक अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद, टीम नीदरलैंड्स के रॉटरडैम रवाना होगी, जहां 14 से 21 जून तक जर्मनी और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले होंगे। यूरोपीय चरण के अंत में टीम इंग्लैंड पहुंचेगी यहां उसे 23 से 28 जून तक पाकिस्तान और इंग्लैंड से खेलना है।

टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह और जुगराज सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी रहेंगी। वहीं अमनदीप लाकड़ा जैसे युवा भी इस टीम में शामिल रहेंगे। मिडफील्ड में हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह और विवेक सागर प्रसाद जैसे खिलाड़ी टीम को गति और संतुलन प्रदान करेंगे। आक्रामण की कमान फॉरवर्ड मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक और सेल्वम कार्थी पर रहेगी। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर सही बताते हुए कहा कि टीम अच्छी लय में है और यूरोप में होने वाले ये मुकाबले विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा, ट्रेनिंग शानदार चल रही है और टीम अच्छी स्थिति में है। जून में नीदरलैंड्स और इंग्लैंड में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले हमारे लिए एक बड़ी परीक्षा होंगे। इनसे हमें यह जानने में मदद मिलेगी कि विश्व कप की तैयारियों में हम वास्तव में कहां खड़े हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित होन्नेनहल्ली शशिकुमार, सूरज करकेरा

डिफेंडर्सः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, सुमित, संजय, यशदीप सिवाच, अमनदीप लाकड़ा, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह

मिडफील्डर्सः हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरांगथेम

फॉरवर्ड्सः मनदीप सिंह, सुखजीत सिंह, अभिषेक, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराया

पर्थ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आस्ट्रेलिया को चार मैचों की दोस्ताना श्रृंखला के दूसरे मैच में शूटआउट में 4-2 से हराकर 1-1 से बराबरी की। शानदार शुरूआत के बाद आस्ट्रेलिया ने दसवें मिनट में ओलिविया डोनेस के गोल के दम पर बढत बना ली। भारत ने कई मौके बनाये और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करके आस्ट्रेलिया को दबाव में रखा। भारत के लिए सुशीला चानू ने 46वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। शूटआउट में भारत के लिए नवनीत कौर, इशिका चौधरी, अन्नु और रूतुजा पिसल ने गोल दागे। तीसरा मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

फ्रेंच ओपन के अगले दौर में पहुंचे सिनर और सबालेंका, मेदवेदेव बाहर हुए

पेरिस । यहां रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस में विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी इटली के जैनिक सिनर और महिला वर्ग में बेलारुस की आर्यका सबालेंका जीत के ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं रुस के टेनिस स्टार डेनिल मेदवेदेव उलटफेर का शिकार बने हैं। पुरुष वर्ग में के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर ने फ्रांस के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी क्लेमेंट टैबुर को 6-1, 6-3, 6-4 से आसानी से मात दी। इस प्रभावशाली जीत के साथ, सिनर की लगातार जीत ने अपना लगातार 30 मैच जीता है। इससे वह वह अपने करियर के एकमात्र ग्रैंडस्लैम खिताब को जीतने की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं रुस के मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया के 97वीं रैंकिंग वाले एडम वाल्टन ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में 6-2, 1-6, 6-1, 1-6, 6-4 से हराकर सबको हैरान कर दिया। यह लगातार दूसरा साल है जब मेदवेदेव फ्रेंच ओपन के पहले दौर से बाहर हुए हैं। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में, यूनान के स्टार खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास ने फ्रांस के अलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 3-0 से हराया। एक अन्य मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने 7-5, 6-7 (6), 6-4, 7-5 से हरा दिया। दूसरी ओर सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले में स्पेन की जेसिका बुजास मानेरो को 6-4, 6-2 के सीधे सेटों में हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। सबालेंका ने मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और उसने विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई अवसर नहीं दिया। एक अन्य मुकबले में अमेरिका की कोको गॉफ ने टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने लॉरा सीगमंड को 6-3, 7-6 (3) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

आरसीबी ने जीत से दिखाया कि नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की जरूरत होती है :कुंबले

धर्मशाला (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने क्वालिफायर 1 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 92 रनों की जीत के साथ आईपीएल के फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। जियो स्टार एक्सपर्ट अनिल कुंबले ने RCB की शानदार जीत का विश्लेषण किया और रजत पाटीदार की बेहतरीन कप्तानी पर बात की।

कुंबले ने RCB की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा, 'टॉस हारने के बाद RCB ने बोर्ड पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करके अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। किसी भी मैच में इतने रन बनाना मुश्किल होता है, लेकिन प्लेऑफ में ऐसा करना असली हिम्मत दिखाता है। पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी, लेकिन आरसीबी के बल्लेबाजों को फिर भी मैदान पर उतरकर अपना काम करना था। उन्होंने यह काम शानदार ढंग से किया, जिसमें रजत पाटीदार ने आगे बढ़कर कप्तानी की और विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने भी अच्छा योगदान दिया।'

कुंबले ने कहा, 'जब RCB गेंदबाजी करने उतरी, तो उन्होंने GT के ओपनर्स को जमने नहीं दिया। उन्होंने कसी हुई लाइन पर गेंदबाजी की, दबाव बनाए रखा, और साई सुदर्शन के दुर्भाग्यपूर्ण आउट होने से उन्हें शुरुआती सफलता मिल गई। उस विकेट ने जीत के दरवाज़े खोल दिए। वहां से RCB के गेंदबाजों ने मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया। यह शुरू से लेकर अंत तक एक बेहतरीन प्रदर्शन था। गेंदबाजी, बल्लेबाजी, फील्डिंग - उस रात RCBके लिए सब कुछ एकदम सही रहा। वे सिर्फ जीते ही नहीं; उन्होंने एक बयान दिया है। नॉकआउट मैच में आपको इसी तरह के प्रदर्शन की ज़रूरत होती है।'

रजत पाटीदार की पारी और कप्तानी पर कुंबले ने कहा, 'एक खिलाड़ी अपने साथियों का सम्मान तब कमाता है, जब वह बड़े मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। रजत पाटीदार ने ठीक यही किया है। यह पहला क्वालिफायर आरसीबी के लिए बहुत बड़ा मैच था। पहला क्वालिफायर जीतकर सीधे फाइनल में पहुँचने से आपको बहुत बड़ा फायदा मिलता है। तीन या चार दिन का आराम खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से ठीक होने का मौका देता है।'

उन्होंने कहा, 'पहला क्वालिफायर जीतने का यही एक बड़ा फायदा है। रजत ने कप्तान के तौर पर शानदार काम किया है। लेकिन RCB की जो बात सबसे अलग है, वह यह है कि अलग-अलग मैचों में अलग-अलग खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। हर मैच में, कोई नया खिलाड़ी 'मैन ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीतता है। पिछले सीजन में जब उन्होंने खिताब जीता था, तब भी ठीक यही हुआ था। जब हर कोई अपना योगदान देता है, तो आप एक चैंपियन टीम बन जाते हैं। जीटी के खिलाफ इस मैच में, हर गेंदबाज ने विकेट लिए। किसी एक या दो खिलाड़ियों पर ही पूरी तरह निर्भरता नहीं थी। बल्लेबाजी जोरदार रही, गेंदबाज़ी अनुशासित थी, और फील्डिंग भी चुस्त थी। यह उस टीम की पहचान है, जो बड़े मैच जीतना जानती है।'

यूनिटी कप फुटबॉल में 27 मई को भारत का मुकाबला जमैका से होगा

लंदन । भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम आजकल यूनिटी कप 2026 में भाग लेने इंग्लैंड गयी हुई है। भारतीय टीम यहां अपना पहला मुकाबला भारतीय समयानुसार 27 मई की रात को दूसरे सेमीफाइनल में जमैका से खेलेगी। ये 24 साल बाद पहला अवसर है जब भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेगी। इससे पहले आखिरी बार भारतीय फुटबॉल टीम ने साल 2002 में इंग्लैंड में मैच खेला था। ऐसे में इस मैच को लेकर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। फीफा रैंकिंग में अभी भारतीय टीम 136वें स्थान पर है, जबकि जमैका 71वें स्थान पर है। वहीं, पहले सेमीफाइनल में नाइजीरिया और जिम्बाब्वे की टीमें टकरायेंगी। नाइजीरिया की टीम फीफा रैंकिंग में 26वें स्थान पर एक मजबूत दावेदार है, जबकि जिम्बाब्वे 130वें नंबर पर मौजूद है। इस टूर्नामेंट का प्रारूप ऐसा है कि सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमें तीसरे स्थान के लिए भी प्ले-ऑफ मैच खेलेंगी, जिससे सभी टीमों को कम से कम दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का मौका मिलेगा। सभी मुकाबले लंदन के द वैली स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऐसे में भारतीय टीम के लिए यह इंग्लैंड में अपनी क्षमताओं को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्य कोच खालिद जमील की ये पहली परीक्षा होगी। इस टूर्नामेंट से पहले भारती टीम ने राष्ट्रीय कैंप में भी अभ्यास किया था।

उलिहातु पहुंचे डीसी, बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर दी श्रद्धांजलि

पेयजल योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

बिभा संवाददाता

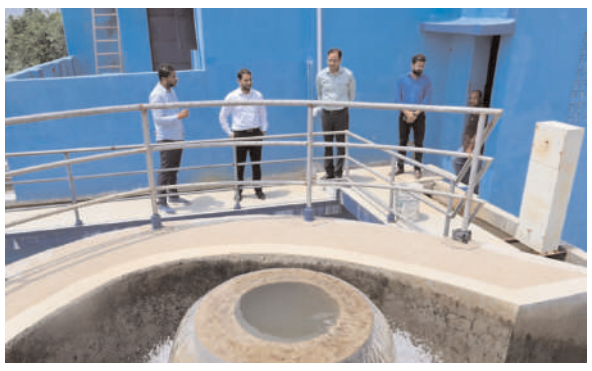

खूँटी । उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने मंगलवार को अड़की प्रखंड अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा बिरसा कॉम्प्लेक्स में स्थापित आदमकद प्रतिमा को नमन करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और जनजातीय समाज के उत्थान में दिए गए योगदान को स्मरण किया।
दौरे के क्रम में उपायुक्त ने भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। साथ ही क्षेत्र में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, पेयजल व्यवस्था एवं विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर क्षेत्र की आवश्यकताओं और समस्याओं को भी समझा।
उपायुक्त ने पर्यटन विभाग की ओर से जन्मस्थली परिसर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।
इस दौरान उन्होंने उलिहातु जलापूर्ति योजना एवं किताहातु स्थित ‟हर घर जल, जल जीवन मिशन‟ के तहत संचालित पेयजल व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पेयजल आपूर्ति की स्थिति, स्टॉक रजिस्टर, वाटर क्वालिटी रिपोर्ट एवं अन्य अभिलेखों की जांच की।
उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलापूर्ति योजनाओं का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा ग्रामीणों को स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं हो। उन्होंने ब्लीचिंग पाउडर के सुरक्षित रखरखाव, नियमित छिड़काव और जल गुणवत्ता की समय-समय पर जांच कराने पर विशेष बल दिया।
उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं को विधिवत रूप से हस्तांतरित कर बेहतर संचालन एवं रखरखाव सुनिश्चित कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं का सतत लाभ मिल सके।
दौरे के दौरान उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, कार्यपालक अभियंता मनीष कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अमित केशरी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बकरीद आज: जिले की 25 मस्जिदों में अदा होगी नमाज, घरों में दी जाएगी कुर्बानी

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले भर में आज बकरीद पर्व धार्मिक उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। सुबह 6:45 बजे से 8 बजे तक जिले की विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की जाएगी तथा अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी जाएगी। नमाज के बाद घरों में बकरों की कुबार्नी दी जाएगी। इसके लिए लोगों ने पहले से ही बकरों की खरीदारी कर तैयारी पूरी कर ली है।
जानकारी के अनुसार, वृहस्पतिवार खूँटी जिले में कुल 25 मस्जिदों में बकरीद की नमाज अदा की जाएगी। खूँटी थाना क्षेत्र में 8, कर्रा में 5, जरियागढ़ थाना क्षेत्र में 2, तोरपा में 4, तपकरा में 2, रनिया में 1, मुरहू में 2 तथा अड़की में 1 मस्जिद में नमाज होगी। इसके अतिरिक्त विभिन्न ईदगाहों में भी विशेष नमाज अदा कर पूर्वजों को याद किया जाएगा।
बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। जिले के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा कई स्थानों पर कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं। पुलिस लगातार गश्ती कर स्थिति पर नजर रखेगी।
पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की शांति भंग की घटना होने पर संबंधित थाना प्रभारी जिम्मेदार माने जाएंगे। सभी थाना क्षेत्रों में लगातार निगरानी और सूचना आदान-प्रदान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।
बकरीद पर्व के मद्देनजर गुरुवार शाम खूँटी पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। यह मार्च खूँटी थाना से शुरू होकर भगत सिंह चौक, भट्टी रोड, कर्रा रोड, लियाकत अली रोड, गच्छाटांड़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण किया गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने लोगों से आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से दूर रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

बकरीद के पूर्व संध्या में मुरी पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला

मुरी(बिभा) : बकरीद के पूर्व संध्या में मूरी ओ पी थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला ताकि बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जा सके। त्योहार को देखते हुए मुरी पुलिस पूरी तरह से सक्रिय दिख रही है।मुरी पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं ताकि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सके साथ ही पुलिस विशेष सतर्कता बरत रही है। मुरी थाना प्रभारी ने बताया कि फ्लैग मार्च के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया और लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया।इस मौके पर सहायक अवर निरीक्षक आशीष रंजन, मुन्ना सिंह,रघुनंदन मंडल, मोहनलाल हांसदा,सुभाष मरांडी,अजीत प्रसाद,अखिलेश कुमार,राजकुमार षाड़ंगी,सत्येंद्र यादव समेत अन्य सशस्त्र बल मौजूद रहे।

आरपीएफ ओपी रामगढ़ ने विद्युत तार चोरी मामला का किया उजागर

मुरी(बिभा): आरपीएफ ओ पी रामगढ़ ने रेलवे स्टेशन रामगढ़ से रेलवे विद्युत तार चोरी का मामला को उजागर किया। जानकारी के मुताबिक दो किशोरों के द्वारा 25 मई के दिन प्लेटफार्म संख्या दो से लगभग 50 मी रेलवे विद्युत तार चोरी किया गया था ताकि उसमें से तांबा निकाल कर अवैध रूप से बेचकर आर्थिक लाभ अर्जित किया जा सके। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल ने जांच एवं छापामारी शुरू किया। छापामारी के दौरान रामगढ़ रेलवे चिल्ड्रन पार्क के समीप उक्त दोनों किशोरों को चोरी किए गए रेलवे विद्युत केबल को जलाकर उसमें से तांबा निकालते हुए पकड़ा गया।रेलवे पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर दोनों किशोरों ने तार चोरी में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया।पुलिस ने छापेमारी में 22 मी विद्युत तार,एक किलोग्राम जला हुआ तार एवं एक हेक्सा ब्लेड बरामद कर विधिवत जप्त किया,जिसकी कीमत 1000 आंकी गई।इस संबंध में रेलवे पुलिस ने कांड संख्या 04/2026 दर्ज करते हुए दोनों किशोरों को अग्रेतर कानूनी कार्रवाई हेतु किशोर न्याय बोर्ड डूमरदगा रांची के समक्ष प्रस्तुत किया और मामले की जांच कर रही है।

चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान शुरू, माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता बढ़ाने पर जोर

खूँटी(बिभा)। महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और माहवारी से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ‟चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो‟ अभियान का शुभारंभ मंगलवार को समाहरणालय सभागार में किया गया। यह अभियान 29 मई से 4 जून 2026 तक पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की ओर से चलाया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता मनीष कुमार ने अभियान के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि इसका मकसद माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों और झिझक को दूर कर महिलाओं एवं किशोरियों को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने कहा कि अभियान के माध्यम से समाज के अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि केवल किशोरियों और महिलाओं ही नहीं, बल्कि पुरुषों को भी इस विषय पर संवेदनशील और जागरूक बनाया जाना आवश्यक है, ताकि वे अपनी जिम्मेदारी समझ सकें। उपायुक्त ने विद्यालयों में माहवारी स्वच्छता पर नियमित चर्चा कराने तथा पेरेंट्स डे के दौरान माताओं को भी शामिल कर इस विषय पर संवाद बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने वीएचएसएनडी दिवस के अवसर पर महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जानकारी देने और पंचायत स्तर पर पैड बैंक बनाने की दिशा में पहल करने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को रेड डॉट दिखाकर स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई। वहीं दो किशोरियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि माहवारी एक सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया है, इसलिए इसे लेकर शर्माने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने सैनिटरी पैड के उपयोग और स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उप विकास आयुक्त ने कहा कि यह अभियान पहले भी चलाया गया था, लेकिन इस बार इसे और व्यापक स्तर पर संचालित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि माहवारी के दौरान असुविधा के कारण कई बार विद्यालयों में बच्चियों की पढ़ाई प्रभावित होती है और ड्रॉप आउट की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए स्कूलों में किशोरियों के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। कार्यक्रम में सिविल सर्जन एवं डीआरसीएचओ ने माहवारी स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने अत्यधिक ब्लीडिंग, लंबे समय तक माहवारी रहने जैसी स्थितियों में चिकित्सकीय सलाह लेने की आवश्यकता बताई। साथ ही सैनिटरी पैड के सही उपयोग और निपटान, पौष्टिक आहार, आयरन की गोली के सेवन एवं स्वच्छता बनाए रखने पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा पॉल चौधरी, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीशा कुजूर, डीपीएम जेएसएलपीएस मनीषा कुमारी, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, जल सहिया एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बकरीद को लेकर खूंटी पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील

बिभा संवाददाता

खूँटी। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के द्वारा खूँटी थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने संयुक्त रूप से किया। खूंटी में पहली बार उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक फ्लैग मार्च में शामिल होकर शांति व्यवस्था की अपील की गयी।
फ्लैग मार्च के दौरान क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील एवं भीड़-भाड़ वाले इलाकों का भ्रमण किया गया। इस दौरान आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ पैदल एवं वाहन गश्ती कर लोगों से आपसी भाईचारा और शांति बनाए रखने की अपील की।
पुलिस प्रशासन की ओर से यह भी जानकारी दी गई कि असामाजिक तत्वों एवं अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा सोशल मीडिया की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।
पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने कहा कि बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराना खूँटी पुलिस की प्राथमिकता है। पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने अथवा कानून व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।
इस फ्लैग मार्च में डीएसपी , थाना प्रभारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, नगर प्रशासक सहित अन्य पदाधिकारी व आरक्षी शामिल हुए।

वनवासी' शब्द कहने पर अमित शाह का कांग्रेसियों ने विरोध में किया पुतला दहन

खूँटी । भगत सिंह चौक पर जिला कांग्रेस समिति एवं आदिवासी कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा और अध्यक्षता आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि विल्सन तोपनो ने किया। मौके पर, विल्सन तोपनो ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक समागम समारोह में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा आदिवासी समुदाय को 'वनवासी' शब्द से संबोधित किया गया, जो अत्यंत आपत्तिजनक और अपमानजनक है। 'आदिवासी' शब्द इस देश के मूल निवासियों की पहचान है। 'वनवासी' कहकर भाजपा सरकार आदिवासियों के अस्तित्व, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों को नकारने का प्रयास कर रही है। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकताओं ने गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध नारेबाजी कर पुतला दहन किया गया। मौके पर कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सयको डबल मर्डर काण्ड पर पुलिस को मिली उपलब्धि - दोस्त की पत्नी का ख्याल न रख पाने पर विशु को जान से हाथ धोना पड़ा

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में विगत 17 मई को हुई डबल मर्डर केस से पर्दा उठा लिया है। जो कि सयको थाना क्षेत्र के मारंगबुरु पहाड़ में लड़की व लड़की का शव बरामद हुआ था। सयको 17 मई को जिवरी गाँव के दो लोग नाबालिग लड़का विशु पाहन और 17 वर्षीय सुमी मुण्डू की मारंगबुरु पहाड़ में धारदार हथियार से हत्या कर छिपाया गया मिला था। इस हत्याकांड पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।
जानकारी के अनुसार, 17 और 18 मई की रात सायको गांव में आयोजित छउ नृत्य मेला देखने जिउरी बड़ा टोला निवासी 17 वर्षीय विशु पाहन और 17 वर्षीय सुमी मुण्डू पहुंचे थे। इसी दौरान मेला स्थल से करीब 300 मीटर दूर अज्ञात अपराधियों ने तेज धारदार हथियार से दोनों की हत्या कर शव को मारंगबुरु पहाड़ में छुपा दिया था। गिरफ्तार आरोपियों में जिउरी बड़ा टोला निवासी सुम्बर सिंह मानकी, सायको निवासी गोमेया सोय और बुधराम सोय शामिल हैं। उक्त घटना में प्रयुक्त टांगी, खून लगी मिट्टी, चप्पल और खून लगे कपड़े पुलिस ने बरामद किए हैं।
एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि सुम्बर सिंह मानकी और विशु पाहन दोनों दोस्त थे। और सुम्बर की नयी नयी शादी हुई थी इसलिए उसने विशु पाहन को पत्नी का ख्याल रखने के लिए कहकर काम करने दूसरा प्रदेश चला गया था। इसी बीच पता चला कि उसकी पत्नी का किसी अन्य लड़के से हिल मिल बढ़ गया था। जिसकी जानकारी विशु ने सुम्बर को नहीं दिया और पता उसे चल गया। जिसका गुस्सा से उसने विशु की हत्या कर दिया। लेकिन सुम्बर को सुमी मारने नहीं दे रही थी और उसके बीच आ जा रही थी इसलिए उसने सुमी की भी हत्या कर दिया। जिसके बाद सयको के दो लड़के गोमेया सोय और बुधराम सोय के सहयोग से शव को छिपाने के लिए पहाड़ के गुफा तक ले गये थे। इस हत्याकांड में सहयोग करने पर सुम्बर के साथ इन दोन को भी गिरफ्तार किया गया है।
इस छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा, खूंटी अंचल पु०नि० फ्रांसिस जेवियर बाड़ा, सयको थाना प्रभारी पु०अ०नि० प्रभात रंजन पाण्डेय, स०अ०नि० पितरूस बाड़ा, हवलदार प्रदीप सांगा, , हवलदार सुभीत कुजूर, आरक्षी धर्मेन्द्र भगत आदि शामिल थे।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से जुड़ेंगे 3202 मत्स्य पालक, डीसी ने पारदर्शी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना अंतर्गत जिला स्तरीय समिति के साथ बैठक की। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मछुआरों, मत्स्य पालकों एवं मत्स्य विक्रेताओं को दुर्घटना बीमा कवरेज से आच्छादित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।
बैठक में जिला मत्स्य कार्यालय की ओर से बताया गया कि विभागीय निर्देशानुसार पूर्व में प्रेषित लाभुक सूची का अद्यतन किया गया है। अद्यतन सूची में मृत व्यक्तियों एवं वर्तमान में मत्स्य पालन कार्य से नहीं जुड़े लोगों के नाम हटाए गए हैं, जबकि वर्तमान में मत्स्य व्यवसाय से जुड़े नए लाभुकों के नाम शामिल किए गए हैं।
जानकारी के अनुसार, अद्यतन सूची में कुल 3202 लाभुक शामिल हैं। इनमें सामान्य वर्ग के 181, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 1804, अनुसूचित जाति वर्ग के 778 तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के 439 लाभुक शामिल हैं। वहीं कुल लाभुकों में 1144 महिलाएँ एवं 2058 पुरुष शामिल हैं।
बैठक के दौरान उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि योजना का लाभ पात्र लाभुकों तक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का शत-प्रतिशत अनुपालन करने पर भी जोर दिया।
बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, एलडीएम, प्रदान संस्था के प्रतिनिधि सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं एनजीओ प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बकरीद को लेकर बुंडू में पुलिस-प्रशासन का फ्लैग मार्च, शांति बनाए रखने की अपील

बिभा संवाददाता

बुंडू। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को बुंडू नगर में पुलिस-प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च में बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी मोहन लाल मरांडी, एसडीपीओ ओम प्रकाश, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, तमाड़ थाना प्रभारी समेत पुलिस बल शामिल रहे।
फ्लैग मार्च के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी मोहन लाल मरांडी ने लोगों से आपसी भाईचारा और शांति के साथ बकरीद मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से बचें और किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि कुबार्नी प्रशासनिक गाइडलाइन के अनुरूप एवं पर्दे में की जाए।
वहीं एसडीपीओ ओम प्रकाश ने कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाना है। पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और लोग शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाएं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं होगी। अगर ऐसी कोई सूचना मिलती है तो संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की नजर है और माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मातृ वंदना योजना के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण, समय पर लाभुकों के पंजीकरण पर जोर

बिभा संवाददाता

खूँटी। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। यह प्रशिक्षण उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निदेर्शानुसार जिला समाज कल्याण शाखा, निदेशालय के द्वारा संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।
प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिकाएं एवं संबंधित कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योजना के संचालन, पोर्टल प्रविष्टि, आवेदन प्रक्रिया, लाभुक स्वीकृति, भुगतान प्रणाली तथा अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना था, ताकि प्रखंड एवं आंगनबाड़ी स्तर पर योजना का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके।
प्रशिक्षण के दौरान लंबित मामलों के निष्पादन, लाभुक पंजीकरण जैसी प्रक्रियाओं पर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं की जांच के 30 दिनों के भीतर लाभुकों का पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं, ताकि लाभ समय पर उपलब्ध कराया जा सके।
कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों द्वारा योजना के विभिन्न मॉड्यूल पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।
मौके पर बताया गया कि जिला स्तरीय प्रशिक्षण के बाद प्रखंड स्तर पर भी इसी प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, ताकि आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं संबंधित कर्मियों को योजना की प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जा सके।
जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने प्रतिभागियों से अपील की कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को जमीनी स्तर तक पहुंचाते हुए पात्र लाभुकों को योजना का लाभ समय पर एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

झारखंड की बेटी नीतू कुमारी महतो बनीं अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर, अंडर-18 एशिया कप में करेंगी अंपायरिंग

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड ने हॉकी के मैदान पर एक और गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है। रांची जिले के हरदाग की रहने वाली नीतू कुमारी महतो अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर के रूप में क्वालीफाई कर झारखंड की दूसरी महिला अंतर्राष्ट्रीय अंपायर बन गई हैं।

नीतू कुमारी महतो आज जापान के काकामिगाहारा में 29 मई से 6 जून तक आयोजित हो रहे व18 एशिया कप 2026 में अंपायरिंग के लिए रवाना हो गई हैं।

हॉकी से जुड़ा है पूरा परिवार

नीतू कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। उनके घर में हॉकी विरासत की तरह है। उनकी माता दुलारी टोपनो खुद राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रही हैं और वर्तमान में हुलंडू में कोच हैं। नीतू की प्राथमिक हॉकी कोच भी उनकी माता दुलारी टोपनो ही थीं।

दुलारी टोपनो की पूर्व विद्यार्थी खिली कुमारी भी इसी एशिया कप में भारतीय टीम की गोलकीपर के रूप में खेल रही हैं।

चार बहनों और एक भाई के परिवार में नीतू समेत चार सदस्य हॉकी खिलाड़ी हैं। दो बहनें कंचन कुमारी और रानी कुमारी तथा छोटा भाई विजय महतो भी हॉकी खेलते हैं। विजय वर्तमान में लखनऊ में हैं। पिता कमल महतो हरदाग में होटल चलाते हैं।

हॉकी झारखंड के पदाधिकारियों ने दी बधाई

हॉकी झारखंड अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने कहा, झारखंड में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की भरमार है, लेकिन सभी को भारतीय टीम में जगह देना संभव नहीं। इसलिए हॉकी झारखंड खिलाड़ियों कोचिंग और ऑफिशिएटिंग लाइन से भी जोड़ रहा है। नीतू ने मेहनत के बल पर अंपायरिंग में अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर अन्य खिलाड़ियों के लिए रास्ता खोला है।

महासचिव विजय शंकर सिंह ने कहा, नीतू बचपन से ही बेहतरीन खिलाड़ी रही हैं। मैदान में भी शानदार रहीं और अब अंपायरिंग में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। यही मेहनत उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच तक ले गई है। अन्य खिलाड़ी भी उनसे प्रेरणा लें।

उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी ने नीतू के साथ उनकी माता दुलारी टोपनो को भी बधाई दी। उन्होंने कहा, दुलारी टोपनो हमेशा अपने बच्चों को खेल से जोड़ने के लिए प्रयासरत रहीं। आज उनके चार बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं और बेटी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच रही है। जब नीतू का खेल ढलान पर आया तो उन्होंने बेटी को अंपायरिंग अपनाने की सलाह दी, जिसका नतीजा आज सामने है।

हॉकी रांची के अध्यक्ष सह एचआईएल जैसी कई बड़ी प्रतियोगिताओं में तकनीकी पदाधिकारी के रूप में कार्य कर चुके माइकल लाल ने कहा, नीतू कुमारी बहुत मेहनती हैं और खुद को हमेशा फिट रखती हैं। वे बहुत अच्छी अंपायर भी हैं। अन्य खिलाड़ियों को भी इस ओर ध्यान देने की जरूरत है।

हॉकी रांची के सचिव सह तकनीकी पदाधिकारी जयंत केरकेट्टा ने भी नीतू को बधाई देते हुए कहा कि वे बहुत अच्छी अंपायरिंग करती हैं, जिसके बल पर आज इस मुकाम तक पहुंची हैं।

हॉकी झारखंड के अन्य पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने भी नीतू कुमारी महतो को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

इससे पहले झारखंड की पहली महिला अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर आश्रिता लकड़ा थीं, जो वर्तमान में हॉकी झारखंड की कोषाध्यक्ष हैं। वे कई अंतर्राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिताओं में अंपायरिंग कर चुकी हैं और वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी भी हैं।

संक्षिप्त खबरें

संघर्ष से सफलता तकः फुटबॉलर दिव्यानी लिंडा ने जेम बालिकाओं को किया प्रेरित

रामगढ़(बिभा): प्रतिभाशाली युवा भारतीय फुटबॉलर दिव्यानी लिंडा ने पीवीयूएनएल की जेम बालिकाओं के साथ संवाद कर उन्हें प्रेरित किया. भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम की डिफेंडर दिव्यानी ने एएफसी अंडर-17 वूमेन एशिया कप 2026 तथा सैफ अंडर-17 वूमेन चैंपनियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देशभर में पहचान बनाई है. अत्यंत साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने के बावजूद उन्होंने कठिन संघर्ष, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर सफलता हासिल की. कार्यक्रम में उन्होंने जेम प्रतिभागियों को अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करते रहने का संदेश दिया. स्वर्णरेखा महिला समिति की अध्यक्षा रेणु सहगल एवं उपाध्यक्षा सोमा मुखर्जी ने उनका एवं उनके कोच का स्वागत किया. जेम बालिकाओं ने उनसे उनके अभ्यास, दिनचर्या एवं तकनीकों से जुड़े प्रश्न भी पूछे.

प्रयागराज-डीडीयू-पटना-झाझा-आसनसोल के रास्ते नई दिल्ली और हावड़ा के मध्य 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर(बिभा): ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी सुविधा के मद्देनजर नई दिल्ली और हावड़ा 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी सं. 04048/04047 नई दिल्ली-हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल - गाड़ी सं. 04048 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल नई दिल्ली से 28.05.2026 को 18.15 बजे खुलकर अगले दिन 10.30 बजे डीडीयू, 11.40 बजे बक्सर, 12.25 बजे आरा, 13.25 बजे पटना, 14.13 बजे बख्तियारपुर, 15.43 बजे किउल एवं 16.55 बजे झाझा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 23.40 बजे हावड़ा पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 04047 हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल 30.05.2026 को 01.40 बजे हावड़ा से खुलकर 08.45 बजे झाझा, 09.33 बजे किउल, 10.38 बजे बख्तियारपुर, 11.40 बजे पटना, 12.24 बजे आरा, 13.10 बजे बक्सर, 15.05 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 08.20 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। 2. गाड़ी सं. 04050/04049 नई दिल्ली-हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल - गाड़ी सं. 04050 नई दिल्ली-हावड़ा स्पेशल नई दिल्ली से 30.05.2026 को 18.15 बजे खुलकर अगले दिन 10.30 बजे डीडीयू, 11.40 बजे बक्सर, 12.25 बजे आरा, 13.25 बजे पटना, 14.13 बजे बख्तियारपुर, 15.43 बजे किउल एवं 16.55 बजे झाझा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 23.40 बजे हावड़ा पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 04049 हावड़ा-नई दिल्ली स्पेशल 01.06.2026 को 01.40 बजे हावड़ा से खुलकर 08.45 बजे झाझा, 09.33 बजे किउल, 10.38 बजे बख्तियारपुर, 11.40 बजे पटना, 12.24 बजे आरा, 13.10 बजे बक्सर, 15.05 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 08.20 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

मिशन सीआईएल@2026 विषय पर सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र में संगोष्ठी का आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र में बुधवार को मिशन सीआईएल 2026 रिर्फाम, ट्रांसफार्म, प्रर्फाम, इंफोर्म विषय पर एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सतर्कता जागरूकता तथा उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, सीवीओ, सीआईएल बतौर मुख्य अतिथि तथा पंकज कुमार, सीवीओ, सीसीएल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। इनके अलावा संजय झा, महाप्रबंधक(सतर्कता), सीआईएल, राजीव सिंह, महाप्रबंधक(रजरप्पा क्षेत्र) सहित हजारीबाग क्षेत्र, अरगड्डा क्षेत्र, कुजू क्षेत्र, बरका-सयाल क्षेत्र एवं सीआरएस बड़काकाना के महाप्रबंधक उपस्थित रहे। उपरोक्त क्षेत्रों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में रजरप्पा क्षेत्र के महाप्रबंधक राजीव सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का शॉल, पुष्पगुच्छ एवं नारियल भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने एक पेड़ सतर्कता के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सतर्कता हमेशा आपसे शुरू होती है, आपके अपने लाभ के लिए होती है, और हर कदम पर आपके साथ रहती है। उन्होंने कहा कि सतर्कता केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपने कार्य व्यवहार में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखने का आह्वान किया।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को सतर्क रहने, भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष करने, सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने तथा कोल इंडिया लिमिटेड के लिए गर्व के साथ कार्य करने की शपथ भी दिलाई।

संगोष्ठी के दौरान मिशन सीआईएल 2026 के अंतर्गत सतर्कता तंत्र को सुदृढ़ करने, कार्य प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने, भ्रष्टाचार उन्मूलन तथा संगठनात्मक जवाबदेही को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इसी अवसर पर रजरप्पा क्षेत्र के नवीनीकृत आईसीसीसी कंट्रोल रूम का उद्घाटन भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन कार्मिक पदाधिकारी श्री सिद्धार्थ का एवं ई एंड टी पदाधिकारी श्री रामाराजू द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री राजीव सिन्हा ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का समापन संगठन में नैतिक मूल्यों, सतर्कता जागरूकता एवं उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

जिंदल स्टील लिमिटेड, पतरातु को इंटरनेशनल सेफ्टी अवार्ड 2026 से सम्मानित

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : जिंदल स्टील लिमिटेड, पतरातु को यह घोषणा करते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि उसे ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल, लंदन द्वारा प्रतिष्ठित इंटरनेशनल सेफ्टी अवार्ड 2026 के मेरिट विनर श्रेणी में सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 21 मई 2026 को मुंबई में आयोजित समारोह में जिंदल स्टील लिमिटेड, पतरातु की ओर से प्रीयेश सिंह एवं खुर्शीद आलम द्वारा प्राप्त किया गया।

इस समारोह में स्टील, ऑयल एवं गैस तथा अन्य औद्योगिक क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों के प्रतिष्ठित नेतृत्वकर्ता एवं विशेषज्ञ उपस्थित थे। यह सम्मान व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उत्कृष्टता के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता तथा पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों को दशार्ता है।

यह विशिष्ट उपलब्धि हमारे सभी कार्यों में स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं कर्मचारियों के कल्याण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इंटरनेशनल सेफ्टी अवार्ड विश्व स्तर पर अत्यंत प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धात्मक पुरस्कार है, जिसमें वर्ष 2026 में विश्वभर की 851 संस्थाओं ने भाग लिया।

जिंदल स्टील लिमिटेड, पतरातु में सुरक्षा हमारी परिचालन उत्कृष्टता

का मूल आधार है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि हमारे श्रमिकों, फ्रंटलाइन सेफ्टी कर्मियों, लाइन मैनेजर्स, विभागाध्यक्षों एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारियों के निरंतर समर्पण, अनुशासन एवं सक्रिय सहभागिता से संभव हो पाई है। जीरो हार्म कार्यस्थल सुनिश्चित करने एवं मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने में उनके सामूहिक प्रयास अत्यंत सराहनीय रहे हैं।

हम अपने प्लांट हेड श्री के. बी. सिंह के दूरदर्शी नेतृत्व, निरंतर प्रोत्साहन एवं अमूल्य मार्गदर्शन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। उनके रणनीतिक निर्देशन एवं अटूट सहयोग ने पूरे संगठन में मजबूत सुरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ एवं स्थायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हम जिंदल स्टील लिमिटेड, पतरातु परिवार के सभी सदस्यों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हैं। आइए, हम सभी इसी प्रतिबद्धता, उत्साह एवं दृढ़ संकल्प के साथ सुरक्षा एवं परिचालन उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ते रहें।

लापता भाई-बहन चर्च से सकुशल बरामद

बिभा संवाददाता

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के पटेल नगर लापता भाई बहन को बुधवार को तुपुदाना के चांद गांव स्थित चर्च से बरामद किया गया है।

डीएसपी हटिया नीरज कुमार ने बताया कि 25 मई को समय करीब 12:00 बजे दिन में मां के जरिए धूप में खेलने से मना किए जाने पर नाराज होकर चिरंजीव कुमार महतो, निवासी पटेल नगर सेक्टर-01, धुर्वा, थाना जगन्नाथपुर, जिला रांची के पुत्र युवांश महतो (6) एवं पुत्री रौशनी कुमारी (10) घर से पैदल निकल गए थे।

इस संबंध में बच्चों के पिता की ओर से जगन्नाथपुर थाना में

शिकायत किया गया । शिकायत के बाद जगरनाथपुर थाना मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया । मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के जरिए टीम का गठन किया गया। टीम में जगन्नाथपुर थाना, धुर्वा थाना, अरगोड़ा थाना, डोरंडा थाना, तुपुदाना ओपी, पुंदाग ओपी, डेलीमार्केट,लोअर बाजार थाना सहित अन्य थानों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को मिलाकर अलग अलग टीम गठित की गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज ,तकनीकी विश्लेषण एंव गुप्त सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी करते हुए दोनों बच्चों को तुपुदाना के चांद गांव स्थित चर्च से सकुशल बरामद कर लिया गया। मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

डैम में डूबने से युवक की हुई मौत

कोडरमा। जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र के उरवा कोलेश्वरी मंदिर के पीछे डैम क्षेत्र में डूबने से बुधवार को एक युवक की मौत हो गई।

मृतक की पहचान उरवा निवासी सचिन शर्मा (22) के रूप में हुई है। मृतक बीए सेमेस्टर 3 का छात्र था और रांची में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मिली जानकारी के अनुसार युवक अपने कुछ दोस्तो के साथ नहाने गया था। नहाने के क्रम में वह गहरे पानी में चला गया और बाहर नहीं निकल सका।

आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। जिले के मंझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ईपीलसिंगी गांव में बुधवार को आकाशीय बिजली गिरने से किसान मंगल सिंह चांपिया (40) की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार दोपहर में बारिश शुरू होने से पहले मंगल सिंह चांपिया अपने घर के बाहर खड़ी टाटा मैजिक गाड़ी को ढक रहे थे। बताया गया कि उन्होंने चार दिन पहले ही गाड़ी खरीदी थी। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय उनका बड़ा बेटा भी उनके साथ मौजूद था। वह भी बिजली की चपेट में आया, लेकिन उसे हल्का झटका लगा और वह सुरक्षित है। आसपास मौजूद अन्य लोग भी बाल-बाल बच गए। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण मंगल सिंह चांपिया को इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पर्यावरण के अनुकूल तथा अधिक ऊर्जा कुशल पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन पटरियों पर दौड़ने को तैयार

बिहान भारत

नई दिल्ली : हरित और टिकाऊ परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय रेलवे ने उत्तरी रेलवे के जिंद-सोनीपत खंड पर हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित 10 डिब्बों वाली एक रेलगाड़ी चलाने की मंजूरी दे दी है। यह रेलगाड़ी जल्द ही शुरू होने वाली है और 1200 किलोवाट हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रणोदन प्रणाली द्वारा संचालित होकर अधिकतम 75 किमी प्रति घंटे की गति से चलेगी।

हाइड्रोजन ईंधन सेल तकनीक, हाइड्रोजन का उपयोग करके रासायनिक प्रतिक्रिया के माध्यम से बिजली उत्पन्न करती है, जिसमें केवल जल वाष्प ही उत्सर्जित होता है। इस प्रकार, यह पारंपरिक जीवाश्म ईंधन आधारित रेल प्रणालियों का एक स्वच्छ विकल्प है। हाइड्रोजन

आधारित रेल प्रणालियों को सतत परिवहन के लिए एक आशाजनक समाधान के रूप में वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है। इस पहल के साथ, भारत जर्मनी, जापान, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जो स्वच्छ रेल परिवहन के लिए हाइड्रोजन के उपयोग की संभावनाओं का पता लगा रहे हैं। चूंकि यह तकनीक अभी प्रारंभिक चरण में है, इसलिए वर्तमान में केवल कुछ ही देश ऐसी प्रणालियों का संचालन या परीक्षण कर

रहे हैं।

हरियाणा के जिंद-सोनीपत खंड को इन परिचालनों के लिए पायलट मार्ग के रूप में चुना गया है। इसके लिए जिंद में एक स्वदेशी हाइड्रोजन भंडारण और ईंधन भरने की सुविधा स्थापित की गई है। पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने इस स्थल पर संपीड़ित हाइड्रोजन गैस के भंडारण और वितरण के लिए आवश्यक लाइसेंस प्रदान कर दिया है।

ईंधन भरने के लिए हाइड्रोजन संपीड़न प्रणाली, आवश्यक तकनीकी सहायता और महत्वपूर्ण पुर्जे उपलब्ध कराए गए हैं ताकि विश्वसनीय और त्रुटिरहित संचालन सुनिश्चित हो सके। किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए अलग से एक कंप्रेसर यूनिट की व्यवस्था भी की जा रही है। हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और वितरण केंद्र में स्थापित हाइड्रोजन रिसाव और आग का पता लगाने वाले विभिन्न सुरक्षा सेंसरों की नियमित रूप से जांच और सफाई की जाएगी ताकि धूल जमा न हो और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित हो सके।

आरडीएसओ द्वारा विधिवत अनुमोदित हाइड्रोजन ट्रेन-सेट और हाइड्रोजन संयंत्र के संचालन एवं रख-रखाव नियमावली भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। शकुरबस्ती में प्रस्तावित रख-रखाव सुविधा के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रावधान, नियमित ऑडिट और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस मंजूरी में व्यापक सुरक्षा और परिचालन प्रोटोकॉल का पालन करना भी अनिवार्य किया गया है, जिनमें हाइड्रोजन ईंधन भरने की प्रणाली की चौबीसों घंटे और सातों दिन निगरानी, ??महत्वपूर्ण कार्यों के लिए प्रशिक्षित और प्रमाणित कर्मियों की तैनाती तथा नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव कार्यक्रम शामिल हैं। परिचालन के प्रारंभिक चरण में, सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी ट्रेन के साथ रहेंगे।

यह परियोजना नवाचार, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ परिवहन के प्रति भारतीय रेलवे की व्यापक प्रतिबद्धता को दशार्ती है और भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा और शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों के अनुरूप है।

पानागढ़ स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली का सफल कमीशनिंग

बिहान भारत

आसनसोलः पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 27 मई 2026 को 17:25 बजे पानागढ़ स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (एक) प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया। यह कार्य मंडल में आधारभूत संरचना के आधुनिकीकरण एवं क्षमता वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह कार्य श्री संग्राह मौर्य, मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल तथा श्री प्रवीण कुमार प्रेम, अपर मंडल रेल प्रबंधक/आसनसोल के मार्गदर्शन में मंडल के सभी शाखा अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से सम्पन्न हुआ। परियोजना का क्रियान्वयन सिग्नल एवं दूरसंचार (ओपनलाइन) विभाग द्वारा किया गया।

आधुनिकीकरण कार्य के अंतर्गत एलसी गेट संख्या 102/SPL/T एवं 103/SPL/T को मैकेनिकल लिफ्टिंग बैरियर से अपग्रेड कर इलेक्ट्रिकल लिफ्टिंग बैरियर में परिवर्तित किया गया है। इससे परिचालन सुरक्षा में वृद्धि होगी तथा रेल एवं सड़क यातायात दोनों का आवागमन अधिक सुगम एवं सुरक्षित हो सकेगा।

नव स्थापित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में कुल 147 रूट शामिल हैं, जिन्हें आधुनिक सिग्नलिंग एवं सुरक्षा अवसंरचना से सुसज्जित किया गया है। उन्नत व्यवस्था के अंतर्गत 23 मुख्य सिग्नल, 16 स्वतंत्र शंट सिग्नल, 15 आश्रित शंट सिग्नल, 04 कॉलिंग-ऑन सिग्नल तथा 04 डमी शंट सिग्नल प्रदान किए गए हैं। स्टेशन पर 106 ट्रैक सेक्शनों को कवर करने वाली टरऊअउ आधारित एक्सल काउंटर प्रणाली, 03 रिले रूम, इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई प्रणाली, अर्थ लीकेज डिटेक्टर , फायर अलार्म सिस्टम तथा समन्वित कवच संशोधन भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे परिचालन सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में और अधिक सुधार होगा।

पानागढ़ स्टेशन पर केंद्रीकृत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के लागू होने से परिचालन लचीलापन एवं यातायात वहन क्षमता में वृद्धि होगी। उन्नत यार्ड संरचना एवं केंद्रीकृत सिग्नलिंग प्रणाली के माध्यम से ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारु होगा, मालगाड़ियों की निरुद्धता में कमी आएगी तथा रेल परिचालन की समग्र दक्षता में सुधार होगा। इससे समयपालन में भी वृद्धि होने की संभावना है तथा यात्रियों को अधिक विश्वसनीय सेवाएं प्राप्त होंगी।

उन्नत अवसंरचना से महत्वपूर्ण औद्योगिक साइडिंगों के लिए माल ढुलाई सुविधाएं सुदृढ़ होंगी। साथ ही, हावड़ा दिशा की ओर प्रत्यक्ष डिस्पैच सुविधा उपलब्ध होने से व्यस्त खाना जंक्शनझआंदाल खंड पर यातायात दबाव कम करने में भी सहायता मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, एलसी गेट संख्या 102/SPL/T एवं 103/SPL/T को अधिक समय तक खुला रखते हुए अप एवं डाउन ट्रेनों की प्रत्यक्ष रिसेप्शन सुविधा उपलब्ध होने से सड़क यातायात जाम में कमी आएगी तथा स्टेशन पहुंच मार्ग पर आम जनता एवं सड़क उपयोगकताओं को अधिक सुविधा प्राप्त होगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com